RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●18 जून , 2024 वर्षः-12 अंक-51 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

● बुलडोजर ऐक्शन भी...यूपी में आ रहा पेपर लीक रोकने का तगड़ा कानून

10 साल से उम्रकैद तक की सजा, 10 करोड़ का जुर्माना

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पेपर लीक मामलों ने लगातार सरकार की परेशानी बढ़ाई है। युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ और इससे उनमें पनपते आक्रोश को देखते हुए सरकार का ध्यान इस गंभीर चिंता पर गया है। इस समस्या को दूर करने के लिए योगी सरकार अब कड़े कानून लाने जा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर युवाओं से कहा है कि यूपी में होने वाली भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए जल्द ही नया कानून लाने जा रहे हैं। किसी भी कीमत पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेंगे। दरअसल, यूपी में लोकसभा चुनाव से पहले हुए सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला खासा गरमाया था। अब सीएम योगी ने कहा है कि युवाओं के खिलाफ काम करने वाले नकल माफियाओं पर सख्त कार्रवाई होगी। अगर वे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेंगे तो हम भी उनके साथ कोई नरमी नहीं बरतेंगे। गृह और न्याय एवं कानून विभाग को भी संभालने वाले सीएम योगी ने साफ कर दिया है कि नकल रोधी कानून का प्रारूप तैयार हो रहा है। यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा में करीब 40 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक केस ने विपक्ष को एक मौका दे दिया। सरकार को घेर लिया गया। भाजपा की लोकसभा चुनाव में यूपी में करारी हार के बाद समीक्षा बैठक में युवाओं की नाराजगी का मुद्दा सामने आया है। पेपर लीक से होने वाले प्रभाव का भी चुनावी रिजल्ट पर असर पड़ने की आशंका जताई गई है। लगातार पेपर लीक मामलों से युवाओं में नाराजगी बढ़ी थी। ऐसे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने पेपर लीक मामलों में नया और सख्त कानून बनाने का ऐलान कर युवाओं के मन में भरोसा बढ़ाने की कोशिश शुरू कर दी है। इसी क्रम में नकल रोधी कानून को अब अमली जामा पहनाए जाने की तैयारी है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में अब नहीं कटेंगे 29 हजार पेड़

● पेड़ काटकर मंत्री-विधायकों के बंगले बनाने की योजना कैंसिल, मंत्री विजयवर्गीय ने किया ट्वीट

भोपाल। भोपाल में 29 हजार पेड़ काटकर मंत्री-विधायकों के बंगले बनाने की योजना सरकार ने कैंसिल कर दी है। सोमवार दोपहर नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी है। लिखा- नए भोपाल के पुनर्घनत्वीकरण योजना के पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्र में मौजूदा वृक्षों को देखते हुए प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया है। साथ ही अन्य वैकल्पिक स्थानों के परीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री विजयवर्गीय के ट्वीट के बाद भी शाम को होने वाला प्रदर्शन नहीं रुकेगा। पूर्व पार्षद अमित शर्मा ने कहा कि नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का ट्वीट देखा है। मौखिक तो पहले भी कई बार आश्वासन दिए जा चुके हैं।

शहर में 4 दिन से नहीं दौड़ रहीं सिटी बसें

● 300 ड्राइवर-कंडक्टर नहीं कर रहे संचालन, पीएफ राशि जमा नहीं होने का विरोध

भोपाल। भोपाल में पिछले 4 दिन से करीब 150 सिटी बसें नहीं दौड़ रही है। पीएफ (प्रोविडेंट फंड) की राशि जमा नहीं होने से 300 से ज्यादा ड्राइवर और कंडक्टर नाराज हैं। इसके चलते वे बसों का संचालन नहीं कर रहे हैं। सोमवार को भी ये बसें नहीं चलाई गई। इस कारण कई रूटों पर बसों के लिए यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इधर, भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने संबंधित बस कंपनी को नोटिस दिया है। मां एसोसिएट की बसों का संचालन 14 जून से ही बंद है। भोपाल सिटी यान चालक-परिचालक ट्रेड यूनियन इंटक भोपाल के बैनर तले ड्राइवर और कंडक्टर्स बाग मुगालिया स्थित सिटी बस डिपो में प्रदर्शन

भी कर रहे हैं। उनका कहना है कि संबंधित बस कंपनी ने करीब 14 महीने की पीएफ राशि जमा नहीं कराई है। यह अमानत में खयानत का मामला है। इसलिए तुरंत राशि दी जाए। इसके बाद ही बसें चलाएंगे। इस मामले में बीसीएलएल भी अब कार्रवाई करने के मूड में है। बीसीएलएल ने संबंधित बस कंपनी को नोटिस दिया है। जिसमें राशि जमा नहीं होने की वजह पूछी गई है। भोपाल के 25 रूट पर कुल 368 बसें चलती हैं। ये बसें शहर के सभी एरिया को कवर करती हैं। बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत अधिकांश शहरी इलाकों में चलती है। भोपाल में सिटी बसों में एक दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सफर करते हैं।

कंचनजंगा एक्सप्रेस से भिड़ी मालगाड़ी, 15 लोगों की मौत

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुआ हादसा, 60 लोग घायल

रेलवे ने कहा-गुड्स ट्रेन के ड्राइवर ने सिग्नल की अनदेखी की

दार्जिलिंग (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार सुबह 8.55 बजे एक मालगाड़ी ट्रेन ने कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से टक्कर मार दी। न्यूज एजेंसी ने हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 के घायल होने की जानकारी दी है। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और सीएमडी जय वर्मा ने 5 लोगों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, ईस्टर्न रेलवे के कौशिक मित्रा ने नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के हवाले से बताया कि 2 लोको पायलट और एक गार्ड समेत 8 लोगों की मौत हुई है। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन के मुताबिक, मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है। आर्मी और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू का काम पूरा कर लिया है। रेल रूट के रेस्टोरेशन का काम शुरू हो चुका है। कौशिक मित्रा ने बताया कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के आखिरी में दो पार्सल और एक स्लीपर कोच लगे हुए थे। इसमें कोई पैसेंजर नहीं था। ट्रेन के 5 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। 12.40 बजे एक स्पेशल ट्रेन सियालदह के लिए रवाना हो चुकी है। ट्रेन में अधिकतर यात्री मालदा और बोलपुर के हैं। सिंगल लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई है। कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) 16 जून को सुबह 8.15 बजे अगरतला से रवाना हुई थी। इसे 17 जून को शाम 7.20 बजे सियालदह पहुंचना था। हादसा न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के करीब रंगापानी में हुआ। ट्रेन रेड सिग्नल की वजह से यहां रुद्धासा में रुकी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आ रही मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मालगाड़ी के इंजन पर एक्सप्रेस ट्रेन का एक डिब्बा हवा में लटक गया। अन्य दो डिब्बे बेपटरी हो गए। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ समेत रेलवे और बंगाल के अधिकारी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हुए हैं।

प्रदेश में 'स्कूल चलें हम अभियान' की शुरुआत आज से, तैयारी पूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आतिथ्य में भोपाल में होगा कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कल 18 जून को स्कूल चलें हम अभियान 2024 का शुभारंभ करेंगे। राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रातः 10 बजे से आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण वेबकास्ट सहित अन्य संचार माध्यमों से किया जायेगा। आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नवप्रवेशी विद्यार्थियों का शाला में स्वागत करेंगे। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह एवं स्कूल शिक्षा

मंत्री उदय प्रताप सिंह के साथ ही स्थानीय जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। 18 जून को पूरे प्रदेश की शासकीय शालाओं में आयोजित किए जा रहे प्रवेशोत्सव के दौरान सांसद, विधायक एवं अन्य जन प्रतिनिधि भी किसी एक शाला में सहभागिता करेंगे। शाला स्तर पर आयोजित स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम में शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। इस दौरान ग्राम/बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाएगा। प्रवेशोत्सव के दिन शालाओं में विशेष भोजन का वितरण किया जाएगा। 19 जून को स्कूल शिक्षा मंत्री का अभिभावकों को संबोधित पत्र और निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण स्कूल चलें हम अभियान के द्वितीय दिवस समस्त विद्यालयों में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में एक आतंकी ढेर

● अरागाम के जंगलों में मुठभेड़ जारी, रियासी में हुए आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए

बांदीपोरा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। यहां 2 से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश की जा रही है। अरागाम के जंगलों में रविवार को फायरिंग की आवाज सुनाई दी। इसके बाद सेना और पुलिस ने सर्चिंग की। सोमवार सुबह तलाशी तेज की गई तो आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मारे गए आतंकवादी का शव जंगल में पड़ा हुआ है। उसे ड्रोन से देखा गया। हालांकि उसकी पहचान नहीं हो पाई है। इधर, 9 जून को रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। गृह मंत्रालय के आदेश के बाद इस केस में नई एफआईआर दर्ज की गई है। 16 जून को ही गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। जिसमें उन्होंने निर्देश दिया था कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। 9 जून के बाद से चार आतंकी हमले हो चुके जम्मू कश्मीर में 9 जून से रियासी, कठुआ और डोडा में चार स्थानों पर आतंकवादी हमले हो चुके हैं।

शहर में रिमझिम बारिश के बीच हुई ईद की नमाज

अमन के लिए मांगी दुआ, गले मिल बोले-ईद मुबारक

भोपाल। सोमवार को देशभर में ईद उल-अजहा का त्योहार मनाया जा रहा है। भोपाल में प्रमुख मस्जिदों में रिमझिम बारिश के बीच नमाज अदा की गई। नमाज के बाद देश-दुनिया में अमन के लिए दुआ की गई। इसके साथ ही ताजुल मसाजिद में फिलिस्तीन और गाजा में शांति के लिए दुआ की गई। इसके बाद शहर काजी और मस्जिदों के इमामों ने खुतबा (उपदेश) दिए। इस त्योहार को बलिदान का प्रतीक माना जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, जिलहिज्जा महीने में चांद दिखने पर ईद उल-अजहा (बकरीद) की तारीख तय की जाती है। फिर ईद मनाई जाती है। नमाज के बाद घरों में जानवरों की कुर्बानी दी जाती है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष डॉ. औसाफ शाहमीरी खुर्रम ने बताया कि अकीदत का यह त्यौहार 3 दिन तक चलता रहेगा। कुर्बानी के लिए बकरे की खरीद-फरोख्त के लिए शहर में जगह-जगह अस्थाई बाजार सजे रहे। यहां आसपास के गांवों से ग्रामीण बकरे लेकर पहुंचे। इधर, त्योहार की जरूरत के लिए लोगों का रुख बाजारों की तरफ भी बढ़ा है। शहर के इब्राहिमपुरा, चौक बाजार, नदीम रोड, जहांगीराबाद, लक्ष्मी टाकीज आदि में देर रात तक खरीद-फरोख्त का दौर चलता रहा।

जम्मू-कश्मीर में चिनाब ब्रिज पर हुआ ट्रेन का ट्रायल

यह दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज, संगलदान-रियासी के बीच 30 जून से चलेगी पहली ट्रेन

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बताया कि जम्मू के रामबन में संगलदान और रियासी के बीच ट्रेन का पहला ट्रायल रन पूरा हुआ है। यह ट्रेन चिनाब ब्रिज से होकर गुजरेगी, जो कि दुनिया का सबसे ऊंचा स्टील आर्च ब्रिज है। अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस सफल परीक्षण की जानकारी दी। चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। एफिल टॉवर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस ब्रिज को चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक संगलदान से रियासी रूट पर इलेक्ट्रिक इंजन के सफल परीक्षण के बाद इस रूट पर पहली ट्रेन 30 जून को ऑपरेट करेगी।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट के तहत सभी निर्माण कार्य लगभग पूरे हो गए हैं। टनल नंबर 1 का निर्माण थोड़ा बाकी है। रेलवे प्रोजेक्ट के पूरा होते ही भारतीय रेलवे कश्मीर घाटी को देश के बाकी रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक और कदम पूरा होगा। केंद्रीय मंत्री और ऊधमपुर से भाजपा सांसद जितेंद्र सिंह ने भी 15 जून को एक्स पर लिखा कि रामबन के संगलदान से रियासी के बीच दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज पर ट्रेन सर्विस जल्द शुरू होगी। ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। 46 किमी लंबे संगलदान-रियासी रूट का 27 और 28 जून को रेलवे सेफ्टी कमिश्नर डीसी देशवाल इंस्पेक्शन करेंगे। नॉर्दर्न रेलवे के चीफ दीपक कुमार ने बताया कि इंस्पेक्शन तक बाकी काम पूरा हो जाएगा।

वोट नहीं दिया, यादव-मुसलमानों का काम नहीं करूंगा

जेडीयू सांसद बोले-आएं तो चाय, नाश्ता कराकर वापस लौटा दूंगा, आरजेडी ने कहा-सदस्यता खत्म हो

सीतामढ़ी (एजेंसी)। बिहार के जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर लोकसभा चुनाव में कम वोट मिलने से नाराज हैं। उन्होंने सीतामढ़ी सीट से चुनाव जीता है। उन्होंने कहा, अब वे यादव और मुसलमानों के लिए कोई काम नहीं करेंगे। यादव और मुसलमान समाज के लोग कोई काम करवाने आते हैं तो जरूर आएं, लेकिन चाय, नाश्ता कर वापस चले जाएं। उन्होंने यह बात सीतामढ़ी में रविवार को आभार यात्रा के दौरान कही। देवेश ने सीतामढ़ी से 51,356 वोटों से आरजेडी के डॉ. अर्जुन राय को हराया है। देवेश को कुल 5,15,719 वोट मिले, जबकि आरजेडी के राय को 4,64,363 वोट मिले हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि देवेश जीत का अंतर कम होने से खफा हैं। इस सीट से 2019 के चुनाव में जेडीयू नेता सुनील पिंटू 2.50 लाख वोटों से जीते थे। देवेश ने कहा- एनडीए के वोटों में से कितने चीरहरण हुए, इसका कोई भी उचित कारण नहीं है। सुरी और कलवार समाज के आधे से अधिक वोट कट गए, क्या कारण है बताइए। कुशवाहा समाज के वोट अचानक कट गए। यह सब तो एनडीए के वोट थे, लेकिन आखिर क्यों कट गए। कुशवाहा समाज के लोग केवल इसलिए खुश हो गए कि लालू प्रसाद ने इस समाज के 7 लोगों को टिकट दे दिया था। क्या कुशवाहा समाज इतना स्वार्थी हो गया है। इस समाज से सरकार में बीजेपी से डिप्टी सीएम हैं। उपेंद्र कुशवाहा अगर जीत गए होते तो आज केंद्रीय मंत्री बन गए होते। कुशवाहा समाज से कोई पांच या सात लोग भी एमपी बन जाते तो सीतामढ़ी को उसका क्या फर्क पड़ जाता। क्या सीतामढ़ी के कुशवाहा समाज के लोग उनसे काम करवाने जाते।

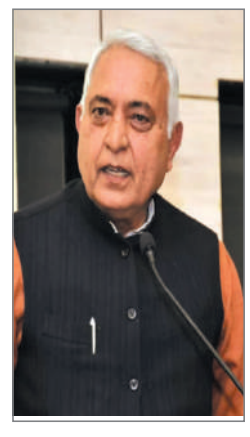

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 18 जून , 2024

दिव्यांग जनों के लिए विशेष जनसुनवाई आज

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा आज मंगलवार को जनसुनवाई है, जनसुनवाई में आमजनों की बाकी व्यवस्थाएं यथावत रहेगी, लोग सामान्य जनसुनवाई में तो आएंगे ही साथ में दिव्यांग जनों के लिए विशेष जनसुनवाई रखी गई है, यह थीम बेस्ड जनसुनवाई है।

कलेक्टर श्री कोचर ने जिले के समस्त दिव्यांगजनों से आग्रह करते हुए कहा कि यदि आपकी पेंडिंग समस्याएं है तो उनके निराकरण के लिए आज सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच अवश्य आए, इसके लिए अलग कमरा बनाया है, जिसमें पूरी टीम रहेगी। रजिस्ट्रेशन के बाद लोग उस कमरे में जाएंगे, उस कमरे में दिव्यांगजनों से संबंधित जो अधिकारी है, वह वहां बैठे रहेंगे। वे दिव्यांगजनों की समस्याओं का निदान करेंगे। समस्त दिव्यांगजन कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के लिए आमंत्रित है, यदि कोई समस्या है तो अवश्य आए।

महिला मंडल को बांटे तुलसी के पौधे

टीकमगढ़। पूनम अग्रवाल द्वारा अग्रवाल महिला मंडल की बहनों को पवित्र तुलसी के पौधे वितरित किए गए। पूनम अग्रवाल ने बताया कि हमारे हिंदू धर्म में तुलसी को माता के रूप में पूजा जाता है। भगवान कृष्ण को तुलसी बहुत प्रिय है।

कार्तिक मास में जगह-जगह तुलसी शालिग्राम का विवाह बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।तुलसी को जहां देवी के रूप में पूजा जाता है वहीं दूसरी ओर तुलसी औषधीय गुणों से भरपूर है। कहा जाता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है। वहां देवताओं का वास होता है नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव नहीं होता है। सभी अग्रवाल बहनों ने शपथ ली कि वह बढ़चढ़कर पौधरोपण में सहभागिता निभाएंगी, कार्यक्रम में पूनम-केके अग्रवाल, पूनम-गनेश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, सीमा-अनिल अग्रवाल, माला लोहिया, सुधा लोहिया, सुमन लोहिया, ममता अग्रवाल, नीता लोहिया, मंजू-गनेश बिहारी अग्रवाल, मंजू-संतोष अग्रवाल, स्मृति अग्रवाल, पूनम-आशीष अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, सीमा-संजय अग्रवाल, नेहा अग्रवाल सहित काफी संख्या में अग्रवाल बहनें उपस्थित रहीं।

श्री देव संकट मोचन हनुमान जी मंदिर में हुआ, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल का अभ्यास

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशन में 21 जून को दमोह जिले के विभिन्न पार्कों में योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस उद्देश्य को लेकर पथरिया के श्री देव संकट मोचन हनुमान मंदिर प्रांगण में मध्य प्रदेश योग आयोग द्वारा गठित जिला योग समिति के अध्यक्ष दीपक सिंह राजपूत एवं पतंजलि योग समिति के अध्यक्ष पंडित कृष्ण कुमार परोहा द्वारा पथरिया में अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस आयोजन के पूर्व योग की क्रिया शासन द्वारा प्राप्त निर्देश अनुसार कराई गई।

श्री राजपूत ने सर्वप्रथम बड़ा योग प्रोटोकॉल जिसमें प्रार्थना, शिथिलीकरण के अभ्यास, खड़े होकर, बैठकर, लेटकर, पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसन, प्राणायाम एवं संकल्प के साथ शांति पाठ कार्यक्रम का प्रोटोकॉल बताया गया। पतंजलि के योगाचार्य पंडित कृष्ण कुमार परोहा के द्वारा सर्वप्रथम ग्रीवा चालान, स्कंध संचालन, कटी संचालन, घुटना संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्त आसान, चक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन शशांकासन, उत्तान मंडूकासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन,शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन, पवनमुक्तासन, शवासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल पूर्व अभ्यास में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, दमोह के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गुरु, पतंजलि योग समिति जिला उपाध्यक्ष गंगाराम पटेल, किसान संगठन के अध्यक्ष सुरेश रैकवार, पथरिया पतंजलि योग समिति ब्लॉक अध्यक्ष सुदेश चौरसिया, भारत स्वाभिमान तहसील प्रभारी जितेंद्र दुबे, पुष्पेंद्र राठौर, बाल किशन ताम्रकार, रमा शंकर पोरानिक, राजीव लोचन स्थापक, रामेश्वर चौकरिया एवं ग्रामीणजन, योग प्रेमी उपस्थित रहे।

विश्व में सर्वत्र शांति स्थापित हो तथा आपास में भाईचारा बने रहे यही पुराण का संदेश है: पुजारी दादा भाई

पन्ना। महामति की वाणी चिन्तक देती मानवता संदेश, जग में उनके अमर हो गये प्राणनाथ जी के उपदेश। श्री प्राणनाथ छत्रसाल सेवा समीति खेजड़ा मंदिर के पुजारी दादा भाई (अनुरूद्ध धामी) ने बताया कि बीते 18 वर्षों से खेजड़ा मंदिर के यहां स्थानीय एवं बाहर के सुन्दरसाथ आकर पुराण पढ़ते हैं और पूजन करते हैं। इस दिशा में 12 जून, 2024 से 18 जून, 2024 तक पुराण का आयोजन प्रारंभ है जिसमें सुन्दरसाथ पुराण पढ़ते हैं और पूजा करते हैं। श्री पुजारी ने कहा कि अभी तक पन्ना सहित इंदौर, छतरपुर, भोपाल, दिल्ली, गुजरात के सुन्दरसाथ पधारकर पुराण का अध्ययन कर चुके हैं। 16 जून, 2024 को विश्व हिन्दू परिषद जिला इकाई पन्ना की संयोजिका श्रीमती कल्पना चौहान एवं समाजसेविका श्रीमती रश्मि त्रिपाठी के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने पुराण के दर्शन किये और सुन्दरसाथ जो उपस्थित थे पुजारी सहित उनसे भेंट की। श्री पुजारी ने बताया कि 18 जून, 2024 को मुख्य कार्यक्रम के साथ भण्डारा संपन्न होगा। समिति सदस्यों में बांके बिहारी पुजारी, अजय शर्मा, नरेश धामी, जयकुमार, अनूप शर्मा, अमर शर्मा, धर्मेंद्र, ब्रिज प्रताप शर्मा का सराहनीय मिलता रहता है। अंत में पुजारी ने बताया कि विश्व में सर्वत्र शांति स्थापित के साथ भाईचारा बना रहे यही पुराण का संदेश है।

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने अपनी ही पार्टी को घेरा

भोपाल। दिग्विजय सिंह के भाई और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण सिंह ने ईवीएम पर बढ़ते विवाद के बीच कहा है कि कांग्रेस पार्टी ही ईवीएम लेकर आई थी, इस पर सवाल उठाना कहीं से भी उचित नहीं है। उन्होंने इसके साथ ही कई और मुद्दों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। एनसीईआरटी की किताबों में बाबरी मस्जिद के विषय को हटाने का मामला तूल पकड़ रहा है। इस विषय पर तमाम राजनीतिक दल के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। लक्ष्मण सिंह ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि क्या बच्चों को ये बताना चाहेंगे कि मुगलों ने हमारे मंदिर को तोड़ा था।

हर्षोल्लास से मनाया गया ईद उल अजहा का पर्व

टीकमगढ़। सोमवार के रोज ईद-उल-अजहा के पर्व पर सबसे पहले सुबह 7.30 बजते ही शहर की ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गई। इसके बाद मुसलिम समाज के लोगों ने एक दूसरे को ईद की बधाईयां देते हुए ईद की शुभकामनाएं प्रेषित की है। जिले में ईद का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सिविल लाईन स्थित ईदगाह में मुख्य नमाज अदा की गई। इसमें सैंकड़ों मुस्लिम भाईयों ने अमन चैन की दुआ मांगी। ईदगाह में सुबह से ही मुस्लिम भाईयों की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी और ईदगाह के बाहर मेले के जैसा नजारा था। पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे और ईद के त्योहार पर आज ईदगाह के बाहर सुबह से ही खैरात लेने वालों की लाइन लग गई।

पेशे इमाम जामा मस्जिद द्वारा ईद की नमाज पढ़ाई गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़ा ही मुबारक दिन है इसदिन को अल्लाह हमें अनेक इनामों इकरामात से नवाजता है। हमें चाहिए की हम जैसी ईद मनाते है वैसी ईद हम अपने उन भाई को भी मनवाएं जो गरीब हैं।ि जनकी माली हालत कमजोर है उनकी ईद भी हमारी तरह मने उन्हें अहसास न होकि वे कमजोर है या यह कर नहीं सकते।

17 जून को इस बार ईद उल अजहा का त्योहार मनाया गया। ईद की नमाज अदा की गई। गुरूवार के रोज सुबह 7.30 बजे ईदगाह में पढ़ी गई। इसी के साथ ही पहले से मुकर्रर वक्त के तहत शहर की सभी मस्जिदों में नमाज अता की गई।

बड़ी संख्या में पहुंचे लोग ईद पर्व के मौके पर मोहम्मद शहंशाह पेशे इमाम जामा मस्जिद ने कहा कि आज ईद के त्योहार पर ईदगाह में हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा की. इस मौके पर सभी भाईयों को अल्लाह का पैगाम देता हूं कि देश और दुनिया में आपसी भाईचारा कायम रखें।

नारद जयंती समारोह संपन्न

दमोह। दमोह में नारद जयंती उत्सव समिति द्वारा आयोजित नाराज जयंती कार्यक्रम स्थानीय अरिहंत रेजिडेंसी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार नारायण सिंह ठाकुर, पुलिस अधीक्षक दमोह श्रुत कीर्ति सोमवंशी, कृष्णा राव, प्रोफेसर आशीष द्विवेदी पत्रकार एवं संचालक इंक मीडिया कॉलेज ने दीप प्रज्वलन करके किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों द्वारा पत्रकारों के समक्ष अपनी बात को रखा गया।

वरिष्ठ पत्रकार नारायण सिंह ठाकुर ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है एक पत्रकार को समाज में सत्य परायणता की नीति को अपनाना चाहिए। खबर की तह तक जाकर वास्तविकता को जन-जन पहुंचाने का काम पत्रकारों को करना चाहिए। पत्रकार देवर्षि नारदजी की पत्रकारिता बहुजन हिताय बहुजन सुखाय की पत्रकारिता है। पत्रकारों को नारद जी के चरित्र और व्यक्तित्व का अध्ययन करके पत्रकारिता करनी चाहिए।

पुलिस अधीक्षक दमोह श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने कहा कि पत्रकारिता हो या अन्य कार्य हो अपने आप में एक चुनौती पूर्वक कार्य है। पत्रकारिता की महत्वता इसी में है कि पत्रकारिता को हमारे देश का विश्व स्तर पर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। पत्रकार अपने आप में विचाराधीन होता है, वह घटनाओं को देखता है समझता है और उसका आंकलन भी करता है और उसके दोनों पहलू समाज के सामने रखता है। पत्रकार को ईमानदारी से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को पत्रकारिता से जुड़े साहित्य एवं पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए, ताकि समाज को देखने की नई-नई दृष्टि विकसित हो सके।

मुख्य वक्ता आशीष द्विवेदी ने कहा कि जब से सृष्टि अस्तित्व में आई है तभी से नारद जी का अस्तित्व है। एक दासी पुत्र से देवर्षि बनने की उनकी यात्रा काफी चुनौतीपूर्ण रही। नारद ब्रह्मा जी के पुत्र हैं नारद जी को सृष्टि का पहला पत्रकार कहा गया है। नारद जी के चरित्र एवं उनके व्यक्तित्व को देखकर के पत्रकार विधा अस्तित्व में आई है। नारद जी देवर्षि है उनके व्यक्तित्व की विशेषता उनकी व्याप्ति हर जगह है आकाश को पाताल हो पृथ्वी हो यक्ष हो गंधर्व हो सबके बीच में नारद जी जाते हैं और नारद जी को सभी जगह है प्रतिष्ठा प्राप्त है। पत्रकारों को नारद जी के व्यक्तित्व से सीख लेकर पत्रकारिता करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक बार रत्नाकर डाकू ने नारद जी को लूटने के प्रयास से पकड़ लिया तब नारद जी ने उनसे कहा कि आप जो ये पाप कर रहे हो किसके लिए कर रहे हो रत्नाकर डाकू ने कहा कि वह अपने परिवार को पालने के लिए कर रहे है तब नारद जी ने कहा कि इस पाप का भागीदार कौन होगा तब डाकू ने कहा कि उनका परिवार होगा और वह स्वयं होगा तब नारद जी ने कहा कि एक बार अपने परिवार से पूछ के आओ कि वह इस अपराध में सहयोगी रहेंगे। वह परिवार के पास गया तो उन्होंने अपने हाथ खड़े कर लिए और इस बात से रत्नाकर डाकू का ह्रदय परिवर्तन हो गया अर्थात पत्रकार वही कहलाता है जिसकी बात ओर ज्ञान से लोगों की सोच में परिवर्तन हो जाए।

कार्यक्रम का सफल संचालन हिमांशु रैकवार एवं आभार मुकेश चौरसिया के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार नारायण सिंह ठाकुर, मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक दमोह श्रुत कीर्ति सोमवंशी, विशिष्ठ अतिथि कृष्णा राव प्रोफेसर, मुख्य वक्ता आशीष द्विवेदी पत्रकार के द्वारा की गई।

कार्यक्रम में नारद जयंती उत्सव समिति की ओर से जिला प्रचारक भैयन एडवोकेट दीपक तिवारी, विभाग प्रचार प्रमुख विक्रम साहू, जिला प्रचार प्रमुख हिमांशु रैकवार, जिला मीडिया प्रभारी,रिंकेश साहू जिला धर्म जागरण प्रमुख, सुरेंद्र नगर कार्यवाह, तरुण कोरी, नीरज विश्वकर्मा, प्रयाग साहू, बंधन विश्वकर्मा, देव सिंह ठाकुर, अमन छाबड़ा, बलराम गौतम सहित समस्त पत्रकार बंधुओं की उपस्थिति रही।

प्रदेश में मौसम की आंख-मिचौली : 32 जिलों में आंधी के साथ बारिश का ऑरेंज अलर्ट, होगी बारिश, 7 शहरों में चलेगी लू

मानसून की बारिश आने में अभी समय लगेगा - मौसम विभाग

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम आंख-मिचौली खेलेगा। प्रदेश में भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में बारिश होगी। जबकि, छतरपुर और निवाड़ी सहित कई जिलों में लू चलेगी। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेशवासियों को मानसून के लिए अभी इंतजार करना होगा क्योंकि, मानसून बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में कमजोर हो गया है। इस वजह से वह गुजरात और महाराष्ट्र में थम गया है। प्रदेश में 20 से 22 जून तक प्रवेश कर सकता है। इधर, 17 जून को भोपाल सहित कई जिलों में बारिश हो रही है। उससे एक दिन पहले भी कई जिलों में पानी गिरा, तो कई जिलों में गर्मी ने अपने तेवर दिखाए।

मौसम विभाग ने जबलपुर, सागर, देवास, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी और अनूपपुर में आंधी के साथ बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा भोपाल, रायसेन, राजगढ़, सीहोर, विदिशा, नर्मदापुरम, अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, देवास, रतलाम, शाजापुर, आगर मालवा मंदसौर और नीमच में बारिश होगी। निवाड़ी, रीवा, सतना, सीधी, मैहर, मऊगंज और छतरपुर में लू चलेगी। विभाग का कहना है कि मानसून महाराष्ट्र के जलगांव तक आ चुका है। साथ ही, राजस्थान और गुजरात में हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात भी बन रहे हैं। इस वजह से मौसम के दो रंग देखने को मिल रहे हैं।

मानसून की बारिश का इंतजार

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, मानसून की बारिश आने में अभी समय लगेगा। 16 जून को पचमढ़ी, विदिशा, रतलाम, छिंदवाड़ा, रायसेन, सिवनी और भोपाल सहित कई जिलों में बारिश हुई। सिवनी में तेज हवा के साथ पानी गिरा और आकाशीय बिजली गिरने से कुछ लोग घायल हो गए। छिंदवाड़ा में 15, पचमढ़ी में 33, सागर में 1 और रतलाम में 7 मिमि बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून आने में भले ही थोड़ी देर हो, लेकिन प्रदेश में कई जगह मानसून पूर्व गतिविधियां जारी रहेंगीं।

तेज रफ्तार ट्रक ने तीन को रौंदा, सभी की मौके पर हुई मौत

टीकमगढ़। शहर सहित आसपास के क्षेत्र में पुलिस की लापरवाही के कारण रोज ही एक न एक हादसा सुनने या देखने में आता ही है। जैसे रविवार को झांसी रोड पर हुए हादसे में पति की मौत हो गई व उसकी पत्नि जीवन व मृत्यु के बीच जूझ रही हैं। वैसे ही सोमवार के रोज टीकमगढ़-सागर हाईवे रोड पर दोपहर करीब 3-40 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। घटना में तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और यहां सिर्फ जांच ही चलती रहेगी।

सागर हाईवे पर गोंगाबेर मंदिर के पास सोमवार दोपहर तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीनों लोग सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरे। हादसा इतना भीषण हुआ कि तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों के शवों को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि तीनों मृतक बम्हौरी मडिया गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि मृतकों में पति-पत्नी और उनकी बेटी है। मृतकों में खुमान कुशवाहा, कलन कुशवाहा और उनकी 15 साल की बेटी ब्रजेश कुमारी शामिल है। तीनों सोमवार दोपहर टीकमगढ़ से अपने गांव बम्हौरी मड़िया जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसमें तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

योग दिवस पर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया जाए

टीकमगढ़। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर अवधेश शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने समय सीमा के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर जबाव दर्ज कराने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर द्वारा शाला प्रवेशोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की गई साथ ही उन्होंने लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की विभागवार एवं अधिकारीवार समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी कार्यक्रम और अभियान शासन के निर्देशानुसार अच्छे से आयोजित किये जायें। उन्होंने कहा कि योग दिवस पर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय विश्व योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम 21 जून 2024 को विधिवत आयोजित किया जाये, सभी संबंधित अधिकारी समन्वय कर यह सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य, स्टाफ, छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधिगण, सहित्यकार, समाजसेवी, नगरवासी सम्मलित हों। कार्यक्रम में पॉलीटेक्निक, आईटीआई योग संस्थान एनसीसी, एनएसएस, पुलिसकर्मी, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठन, वाणिज्य एवं औधोगिक संगठन अवश्य भाग लें और योग को अपने जीवन में अपनाएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आगामी सत्र में जिले की समस्त शालाओं में प्रवेश उत्सव आयोजित किया जाए। साथ ही उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि सभी शिक्षक अभिभावकों से भेंट कर बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ नवीत कुमार धुर्वे, अपर कलेक्टर पीएस चौहान, एसडीएम जतारा शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम बल्देवगढ़ शभारती देवी मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर शसंजय कुमार दुबे तथा एसके तोमर, उप संचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण आरके पस्तोर, उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास अशोक कुमार शर्मा, जिला योजना अधिकारी रामबाबू गुप्ता, सहायक संचालक उद्यान अजय रोहित, सीएमएचओ डॉ. शोभाराम रोशन, जिला योजना अधिकारी रामबाबू गुप्ता, समस्त तहसीलदार, जनपद सीईओ तथा सीएमओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

इंदौर के DAVV में एमबीए पेपर लीक मामला: पूर्व ईसी मेंबर बोले-कार्यपरिषद को पेनल्टी लगाने का पावर नहीं

इंदौर। डीएवीवी पेपर लीक मामले को कांग्रेस ने विधानसभा में उठाने की तैयारी है। भाजपा नेता अक्षय बम के आयडलिक कॉलेज पर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की कार्रवाई पर कांग्रेस और पूर्व कार्य परिषद सदस्यों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पेपर आउट करने के बावजूद कॉलेज पर महज 5 लाख की पेनल्टी और 3 साल के लिए कॉलेज को परीक्षा केंद्र नहीं बनाने की कार्रवाई की गई है। पूर्व ईसी मेंबर का कहना है कि कार्य परिषद को पेनल्टी लगाने का अधिकार ही नहीं है। आरोपियों को बचाने के लिए कार्रवाई के नाम पर हल्के फैसले लिए गए हैं। जानिए क्या है पूरे मामले में लेटेस्ट अपडेट।

पिछले महीने आउट हुए दो पेपर

बता दें एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर का 25 और 28 मई को होने वाला पेपर लीक हो गया था। शिकायत के बाद देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई थी। जिस पर भाजपा नेता अक्षय बम के आयडलिक कॉलेज के कम्प्यूटर ऑपरेटर और दो छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। कॉलेज प्रिंसिपल के रूम से कम्प्यूटर ऑपरेटर ने ही पेपर लीक किया था। इसकी जांच के लिए यूनिवर्सिटी ने एक कमेटी बनाई थी, जिसमें रिटायर्ड जज (लोकपाल) और यूनिवर्सिटी के अधिकारी शामिल थे। जांच रिपोर्ट कार्य परिषद बैठक में रखी गई। कॉलेज पर 5 लाख की पेनल्टी लगाई। बैठक में उच्च शिक्षा आयुक्त निशांत वरवड़े भी मौजूद थे। कॉलेज की संबद्धता समाप्त करने की मांग उठी थी लेकिन उस पर निर्णय लेने के लिए एक अन्य जांच कमेटी बनाने की बात कुलपति ने कही।

ईसी को पेनल्टी का पावर नहीं, दोबारा एग्जाम का खर्च भी ज्यादा

आरजीपीवी के पूर्व कार्य परिषद सदस्य अजय चौरडिया का कहना है कि पहला तो ये कि कार्य परिषद को पेनल्टी लगाने का अधिकार ही नहीं है। किस आधार पर पेनल्टी लगाई। दूसरा 5 लाख की पेनल्टी लगाने के पीछे वजह क्या। इतना ही अमाउंट क्यों। अगर इसका जवाब एग्जाम खर्च है तो वो भी जस्टिफाई नहीं होता है, क्योंकि वापस एग्जाम कराने पर 15 से 20 लाख का खर्चा है। यूनिवर्सिटी तो फिर भी नुकसान में है। परीक्षा की गोपनीयता भंग करने वाली कॉलेज प्राचार्य को यूनिवर्सिटी ने कार्रवाई के दायरे में नहीं लिया है। एग्जाम पेपर पुलिस थाने में रखे जाने थे, जिन्हें प्रिंसिपल ने अपने रूम में रखा। सरकार शक के घेरे में है। दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। ये सब दिखावे की कार्रवाई है। बता दें पेपर लीक होने के बाद यूनिवर्सिटी को एमबीए प्रथम सेमेस्टर के दोनों विषयों की दोबारा परीक्षा करवानी पड़ रही है। 20 और 25 जून को पेपर रखे गए हैं। 13 हजार स्टूडेंट्स दोबारा एग्जाम देंगे।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

फल सब्जियों की कीमतों में जबरदस्त उछाल, दोगुनी महंगी बिक रही, लोगों का हाल बेहाल

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी थोक मंडी में सब्जियों की कीमतों में जोरदार तेजी आई है। धनिया, मैथी और हरी मिर्च के भाव दोगुना बढ़ गए है। बताया जा रहा है कि मौसमी बदलाव का असर साग-सब्जियों की कीमतों पर दिखने लगा है। खपत की तुलना में आपूर्ति कम होने से सब्जियों की कीमतों में उछाल आ गया है।

दोगुनी महंगी बिक रही सब्जियां

थोक मंडी की तुलना में फुटकर बाजार में सब्जियां दोगुनी महंगी तक बिक रही हैं। इससे उपभोक्ताओं की जेब पर महंगाई की मार पड़ रही है। सब्जियों के थोक विक्रेता आसिफ मंसूरी ने बताया कि पिछले दिनों तापमान का सामान्य से अधिक रहा, जो सब्जी उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए चुनौतियां बढ़ा रहा है। खेतों में सब्जियां खराब हुई, जिससे मंडियों में आपूर्ति कम हुई है। मंडी में टमाटर 250 से 400 रुपए कैरेट बिका। मंडी में टिंडोरी 25 से 30, तुरई 25 , पील मिर्च 25, चूंकदर 10 से 12 किलो बिका।

● जानिए क्या चल रहे रेट (रुपए प्रति किलो)

टमाटर 15 से 18
केरी 20 से 25
भिंडी 20 से 25
गिलकी 30 से 35
पालक 15 से 20
धनिया 70 से 80
हरी मिर्च 50 से 60
शिमला मिर्च 55 से 60
बैंगन 15 से 20
लोकी 15 से 20
परमल 30 से 35
टेंसी 25 से 30
पत्तागोभी 8 से 10
करेला 25 से 30
गाजर 15 से 20
कद्दू 7 से 8
ककड़ी खीरा 25 से 30
हरी ककड़ी 25 से 30
रेतवाली ककड़ी 18 से 20
अदरक 90 से 110
सूरजने की फली 40 से 45
मैथी 25 से 30
ग्वारफली 30 से 35
नींबू 40 से 60
चवला 35 से 40

राधा रानी विवाद पर बोले पंडित प्रदीप मिश्रा, कहा - 'मेरा वीडियो काट-छांटकर बहुप्रसारित किया गया'

विवाद में मंत्री की एंट्री से नया मोड़, स्वामी प्रेमानंद को किया फोन

इंदौर। पंडित प्रदीप मिश्रा और स्वामी प्रेमानंद महाराज के बीच चल रहे राधा रानी विवाद में अब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की एंट्री हो गई है। मंत्री ने ओंकारेश्वर में चल रही पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान उनसे मुलाकात की और आशीर्वाद लिया। मंत्री समर्थकों ने बताया कि मुलाकात के दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा ने मंत्री को स्वामी प्रेमानंद महाराज के सात हुए विवाद की भी जानकारी दी। इसके बाद सुलह के लिए बातचीत हुई और पंडित प्रदीप मिश्रा ने स्वामी प्रेमानंद महाराज को फोन लगाया। मंत्री समर्थकों का कहना है कि पंडित प्रदीप मिश्रा ने स्वामी प्रेमानंद को फोन लगाया और कहा कि मेरा वीडियो गलत तरीके से पेश किया गया। मेरी वाणी से यदि किसी को भी ठेस पहुंची है तो मैं क्षमा चाहता हूं। इस पर स्वामी प्रेमानंद ने भी कहा कि हमें भी इस विवाद का दुःख है। बताया जा रहा है कि स्वामी प्रेमानंद महाराज ने पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़े विवाद के वीडियो भी अपने अकाउंट्स से

डिलीट कर दिए हैं। हालांकि पंडित प्रदीप मिश्रा और स्वामी प्रेमानंद महाराज दोनों की ही तरफ से अभी तक इस विषय पर कोई अधिकृत बयान सामने नहीं आया है।

मंत्री ने शेयर की तस्वीर

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पंडित प्रदीप मिश्रा से मुलाकात का एक फोटो भी शेयर किया है। फोटो के साथ उन्होंने लिखा है कि ओंकारेश्वर में सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से हो रही शिव महापुराण कथा का श्रवण करने के पश्चात उनका सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस फोटो पर भी लोगों ने यह कमेंट किए हैं कि राधा रानी विवाद को समाप्त होना चाहिए।

क्या है विवाद

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा था कि भगवान कृष्ण की पत्नियों में राधा का नाम नहीं है। राधा रानी के पति का नाम अनय घोष, उनकी सास का नाम जटिला और ननद का नाम कुटिला था। राधाजी का विवाह छाता में हुआ था। राधाजी बरसाना की नहीं, रावल की रहने वाली थीं। बरसाना में तो उनके पिता की कचहरी थी, जहां वह साल भर में एक बार आती थीं।

युवक-युवती ने पिया एसिड, ब्रिज के पास बेसुध मिले, हालत गंभीर

इंदौर। शहर में एक युवक और युवती ने एसिड पी लिया है। दोनो तेजाजी नगर ब्रिज के पास बेसुध मिले। पुलिस ने दोनो को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। युवक की हालत गंभीर है। पुलिस को दोनो बयान देने की स्थिति में नहीं है। युवक पहले से शादीशुदा है और उसकी पत्नी गर्भवती है। दोनो शुक्रवार से घर से लापता थे। तेजाजी नगर पुलिस को ब्रिज के नीचे दीपक पिता रमेश कैथवास निवासी गौरी नगर और दीक्षा है। उसकी गुमशुदगी का मामला उसके भाई ने दर्ज कराया है। वह अविवाहित है।

दो दिन से घर नहीं आया था दीपक

दीपक की पत्नी को चार माह का गर्भ है और डेढ़ साल का एक बच्चा भी है। दीपक 14 जून को घर से निकाला, लेकिन घर नहीं लौटा। मां को कॉल कर उसने कहा था कि उसकी गाड़ी का पेट्रोल खत्म हो गया है। इस कारण वह घर नहीं आ रहा है। पत्नी ने उसे कॉल किया और बच्चे की कसम दी तो उसने कहा कि वह भेरूघाट की तरफ है। इसके बाद पुलिस ने कॉल कर उसके तेजाजी नगर में मिलने की जानकारी परिजनों को दी। उपचार कर रहे डॉक्टरों ने कहा कि दोनों ने एसिड पिया है। इस कारण दोनो बोलने की स्थिति में नहीं है। दोनो का इलाज एमवाय अस्पताल में चल रहा है। पुलिस को जांच में पता चला कि दीपक और दीक्षा लंबे समय से एक-दूसरे को जानते है। दीपक जिस कंपनी में काम करता है, उसके पास ही दीक्षा का मकान है।

लोन एप की ब्लैकमेलिंग के कारण लॉजिस्टिक कंपनी के मैनेजर ने की खुदकुशी

ब्लैकमेलर ने फोन हैक कर अश्लील फोटो रिश्तेदारों को भेजे

इंदौर। लाजिस्टिक कंपनी के फेसेलिटी मैनेजर तारा सिंह की खुदकुशी केस में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। तारा सिंह को फटाफट ऋण बांटने वाले लोन एप की तरफ से धमकियां मिल रही थीं। ब्लैकमेलर ने उनका फोन हैक करके अश्लील फोटो बना लिए और रिश्तेदारों को भेज दिए थे। पुरारा (उत्तराखंड) निवासी 37 वर्षीय तारा सिंह थायत ने बुधवार को इंदौर स्थित महालक्ष्मीनगर स्थित होटल उत्सव इन में जहर खाकर खुदकुशी कर ली थी।

मोबाइल से खुला राज

रविवार को पुलिस ने स्वजन को थाने बुलाकर मोबाइल का पैटर्न लाक खोला तो पता चला उन्हें लोन एप क्रिक कैश की तरफ से धमकियां मिल रही थीं। आरोपितों ने तारा सिंह के अश्लील फोटो (एडिटेड) बनाकर ऐसे अश्लील वाट्सएप ग्रुप में साझा कर दिए, जिनमें गुयाना, बांग्लादेश के लोग जुड़े हुए हैं। उस ग्रुप का स्क्रीन शाट लेकर तारा सिंह की बहन तारादेवी के फोन पर भी भेजा। इससे परेशान होकर तारा सिंह 12 जून को होटल पहुंचे और जहर खाकर जान दे दी। एसआइ महेंद्र मकाश्रे के मुताबिक, तारा सिंह को पाकिस्तान जनरेटेड नंबरों से काल आ रहे थे। कुछ आपत्तिजनक और धमकी भरे मैसेज भी मिले हैं।

फोन हैक कर नंबर और फोटो ले लेते हैं ठग

साइबर एक्सपर्ट के मुताबिक, अवैध लोन एप को प्ले स्टोर से इंस्टाल करते समय कई तरह की परमिशन मांगी जाती है। शातिर अपराधी परमिशन देते ही संपर्क नंबरों की लिस्ट और फोटो गैलरी का एक्सेस ले लेते हैं। पूरा मोबाइल आरोपितों के कंट्रोल में आ जाता है। इसके बाद आरोपित मनमाफिक ब्याज और कर्ज वसूलना शुरू कर देते हैं। रुपये नहीं देने पर फोटो एडिट कर रिश्तेदार, परिचितों को फोटो और मैसेज भेजना शुरू कर देते हैं। तारा सिंह के स्वजन ने बताया कि वह घर से तीन लाख रुपये ले चुका थे। पुलिस साइबर एक्सपर्ट की मदद से जांच कर रही है।

कई मामले आ चुके हैं सामने

पूरे परिवार को लील चुके हैं लोन एप वाले लोन एप के कारण खुदकुशी का यह पहला मामला नहीं है। अगस्त-2022 में तो एक युवक ने पूरे परिवार सहित खुदकुशी की थी। इंदौर के भागीरथपुरा में रहने वाले अमित यादव ने पत्नी टीना, बेटी याना और बेटे दिव्यांश को जहर देकर मारने के बाद खुद भी फांसी लगा ली थी। अमित ने प्ले स्टोर से एप डाउनलोड कर ऋण लिया था।

अनधिकृत एप से न लें लोन प्ले स्टोर पर सैकड़ों एप हैं, जो फटाफट लोन बांटती हैं। ऐसे एप ज्यादातर चाइनीज हैं। ऋण लेने के पहले आरबीआइ से रजिस्ट्रर्ड है या नहीं, इसकी जांच करें। इंस्टाल करते समय किसी प्रकार की अनुमति न दें।

-राजेश दंडोतिया एडिशनल डीसीपी क्राइम

यशवंत क्लब के चुनाव संपन्न, टोनी सचदेवा बने चेयरमैन, विपिन कुलवाल सहसचिव चुने गए

इंदौर। यशवंत क्लब के चुनाव रविवार को संपन्न हुए हुए। रात को आए चुनाव नतीजों में टोनी सचदेवा ने चेयरमैन पद का चुनाव जीत लिया। उन्होंने संतोष वाघेला को चुनाव हराया। सहसचिव पद के लिए विपिन कुलवाल चुने गए। उन्होंने अश्विनी पुराणिक को हराया। क्लब में चार हजार से ज्यादा सदस्य है, लेकिन आधे ही मतदाता वोटिंग के लिए पहुंचे। शाम पांच बजे मतगणना शुरू हुई। चेयरमैन पद के लिए खड़े उम्मीदवार टोनी सचदेवा ने तगड़ी बढ़त ली है, जो अंतिम राउंड तक बरकरार रही।

टोनी छह बार क्लब के चेयरमैन रह चुके है।क्लब के सचिव पद पर संजय गोरानी निर्विरोध चुने गए। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद के लिए भी आदित्य उपाध्याय निर्विरोध चुने गए। रविवार को शेष रहे चेयरमैन, सह सचिव और कार्यकारिणी के पांच पदों के लिए चुनाव हुए। चुनाव में टोनी

और गोरानी पैनल आमने-सामने थी। दोनो पैनलों के उम्मीदवार और उनके समर्थक दिनभर क्लब में जमे रहे और वोटरों से अपने पक्ष में वोट देने की गुहार करते रहे।

चार बजे तक का समय क्लब सदस्यों के लिए मतदान का तय किया था। क्लब में कुल 4600 सदस्य है, लेकिन 2199 सदस्यों ने ही मताधिकार का प्रयोग किया। कम वोटिंग के कारण दोनो पैनलों के उम्मीदवार चिंतित नजर आए। शाम पांच बजे काउंटिंग शुरू हुई। चेयरमैन पद के उम्मीदवार टोनी सचदेवा ने शुरूआत से ही बढ़त ली। उन्होंने पहले 35 वोटों से लीड ली, जो लगातार बढ़ती गई और अंत में वे चुने गए। मतगणना चार राउंडों में संपन्न हुई।

इंदौर में नहीं थम रहा हत्या का दौर : पुरानी रंजिश में एक युवक को मौत के घाट उतारा

इंदौर। शहर में हत्या का दौर थम नहीं रहा। शनिवार को अर्जुनपुरा मल्टी में एक युवक की हत्या हो गई थी। रविवार को एरोड्रम क्षेत्र में आरोपियों ने पुरानी रंजिश में एक युवक को मौत के घाट उतार दिया। हत्या में छह से ज्यादा आरोपी शामिल है जिन्हें युवक को चाकू मारे। हत्यारे पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। परिहार कॉलोनी निवासी रोहित पिता जितेंद्र कसेरा की हत्या नितिन उर्फ जान यादव ने अपने साथियों के साथ की। वह भोलेनाथ कॉलोनी में रहता है। मृतक रोहित भी अपराधिक प्रवृति का था और उसके खिलाफ आधा दर्जन अपराधिक प्रकरण इंदौर के थानों में दर्ज है। नितिन का कुछ दिन पहले नितिन के

साथी के साथ विवाद हुआ था। इस मामले में रोहित के खिलाफ एरोड्रम थाने में केस दर्ज हुआ था। रोहित इस मामले में जेल में भी बंद था। जमानत पर छूटने के बाद रोहित पर नितिन समझौते का दबाव बना रहा था, लेकिन रोहित इसके लिए तैयार नहीं था। रविवार रात रोहित को नितिन और उसके साथियों ने घेर दिया और हमला कर डाला। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

हनीट्रैप का आरोपी रह चुका है नितिन

नितिन भी आपराधिक प्रवृति का है। हनी ट्रैप मामले में भी उसके खिलाफ केस दर्ज हुआ है। एक बिल्डर को इस मामले में उसने फंसाया था। तब हनीट्रैप में शामिल युवती ने सुसाइड कर लिया था। युवती ने सुसाइड नोट में नितिन का भी जिक्र किया था। अब पुलिस हत्या के मामले में नितिन की तलाश कर रही है।

परिचित ने जन्मदिन पार्टी में गए युवक की हत्या की

इंदौर। अर्जुनपुरा मल्टी में एक युवक की हत्या कर दी। हत्यारा युवक का परिचित था। दोनो एक दोस्त की बर्थडे पार्टी में गए थे। वहां उनके बीच विवाद हो गया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनो के बीच किसी युवती को लेकर पहले कहासुनी भी हो चुकी थी। हत्या का कारण भी यही सामने आ रहा है। दोनो ही शराब के नशे में थे। पुलिस के अनुसार मृतक का नाम शिवा पिता राजेश है। वह 19 वर्ष का था। उसे कुणाल उर्फ कान्हा ने चाकू मारा। दोनों दिन में भी एक दूसरे के साथ थे। उन्होंने दिन में साथ में ही शराब पी थी। शाम को वे दोनो अपने एक दोस्त रोहित की जन्मदिन पार्टी में भूरी टेकरी गए थे। वहां पर भी उन्होंने फिर शराब पी। इसके बाद वे घर लौट आए। घर पर दोनो के बीच एक युवती को लेकर विवाद हुआ। कान्हा ने विवाद के दौरान आपा खो दिया और चाकू से शिवा के गले पर वार कर दिया। उसके गले की नस कट गई और खून बहने लगा। परिजन उसे अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शिवा अर्जुनपुरा मल्टी में अपने माता-पिता के साथ रहता था और ढोलक बजाने का काम करता था। शिवा अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। आरोपी कान्हा को पुलिस ने रात को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। उसका कहना था कि वह शिवा को जान से नहीं मारना चाहता था।

गुंडे-बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने संभाला मैदान

इंदौर। पुलिस कमिश्नर, इंदौर की अगुवाई में, इंदौर पुलिस द्वारा कांबिंग गश्त कर, गुंडे-बदमाशों व असमाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने देर रात्रि में अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त रहने वाले असामाजिक तत्वों सहित लगभग कुल 461 बदमाशो को चेक करते हुए, उनमे से 393 पर वैधानिक कार्रवाई की है। 313 से ज्यादा वारंटों को तामिल कराया गया, जिसमें लंबे समय से फरार- 03-फरारी, 137-स्थाई, 173-गिरफ्तारी और कई जमानती वारंट भी तामिल किए। साथ ही 11 इनामी बदमाश पुलिस की गिरफ्त में आए।

पुलिस गिरफ्त में आए अपराधी

पुलिस ने क्षेत्र के अपराधिक प्रवृत्ति के 68 जिलाबदर बदमाशों सहित कई गुंडे/बदमाशों को चेक किया। जिला बदर अवधि का उल्लंघन कर, क्षेत्र में घूमते हुए 01 बदमाश को भी गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की गई। विभिन्न प्रकरणों में वाँछित 68 अपराधी भी पुलिस की गिरफ्त में आए। अपराधियों को पकड़कर, डोजियर भरवा कर अपराध नहीं करने की हिदायत दी गई। पुलिस की कार्रवाई से गुंडे-बदमाशों के बीच हड़कंप की स्थिति नजर आ रही थी। पुलिस आने वाले दिनों में इसी तरह की कार्रवाई शहर में जारी रखेगी। लगातार जारी रहेगी पुलिस की कार्रवाई

इंदौर पुलिस को ऑनलाइन ठगी की लगातार शिकायते प्राप्त हो रही है। इसी के संबंध में आमजन को जागरूक करने के इरादे से क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस के द्वारा डिजिटल सायबर एडवाइजरी के रूप में ये महत्वपूर्ण वीडियो जारी किया है। सायबर ठगों द्वारा कॉल पर पिता का मित्र बताकर कॉल व मैसेज के द्वारा आपको पैसे ट्रांसफर करने या ट्रांसफर किए हुए पैसे रिफंड सहित किसी भी प्रकार की बैंक संबंधित समस्या का हवाला देकर ठग आपको भरोसे में लेते हुए आपसे पैसे प्राप्त करता है और आप ऑनलाइन ठगी का शिकार हो जाते है। कुलमिलाकर, देखा जाए तो इंदौर पुलिस द्वारा कांबिंग गश्त कर, गुंडे-बदमाशों व असमाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है।

आर्मी रेंज में बम फटने से एक बच्चे की मौत, एक घायल; बकरी चराने गए थे जंगल में

महू। महू तहसील अंतर्गत बड़गोंदा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम तिंछा के पास बेरछा रेंज में बम फटने से एक बच्चे की मौत हो गई। वहीं एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे बकरी चराने के लिए जंगल में गए थे। घायल को महू के निजी अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। ग्रामीण एडिशनल एसपी रूपेश द्विवेदी ने बताया कि रविवार को ग्राम तिंछा के कान्हा उर्फ श्रीराम पुत्र भवान सिंह (10) और विशाल पुत्र राजेंद्र (12) अपने अन्य दोस्तों के साथ बकरी चराने जंगल में गए थे। इस दौरान वह बेरछा रेंज के पास पहुंच गए। एसपी ने बताया कि वहां पहुंचकर विशाल ने करीब 6 से 8 इंच लंबा शेल बम उठा लिया और वह वहीं पर फट गया। बम फटने से विशाल की मौत हो गई। वहीं कान्हा को कमर में और दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। देर रात करीब 9 बजे कान्हा को महू के मालवा अस्पताल लाया गया। ग्रामीणों ने विशाल की मृत्यु के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया। कान्हा छठी कक्षा में पढ़ाई करता है। बम फटने के बाद बच्चों के अन्य दोस्तों ने उनके घर पर सूचना दी।

संपादकीय | महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देना चाहिए

भारत ने चुनाव आयोग के अनुसार इस वर्ष लोकसभा चुनावों में 31.2 करोड़ महिलाओं सहित 64.2 करोड़ मतदाताओं के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। यह इस तथ्य के बावजूद है कि हाल ही में सम्पन्न चुनावों में कुल मतदान में लगभग 2 प्रतिशत की कमी आई है। यह पहली बार मतदान करने वाले मतदाता हैं जिन्होंने कुल कम मतदान की भरपाई की है। हालांकि यह चिंता का विषय है कि भले ही बड़ी संख्या में महिला मतदाता मतदान के लिए निकली हों, लेकिन नवगठित लोकसभा में महिलाओं की संख्या 78 से घटकर 74 हो गई है। 18वीं लोकसभा में कुल निर्वाचित सदस्यों में से केवल 13.6 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह प्रस्तावित 33 प्रतिशत कोटा से काफी कम है, जिसे परिसीमन प्रक्रिया के बाद महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 के तहत महिलाओं के लिए नामित किया जाएगा। लगभग 49 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद, हाल के चुनावों में केवल 10 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं थीं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह 1957 में चुनाव लडने वाली महिलाओं से केवल 3 प्रतिशत आगे हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से संतोषजनक नहीं है। इस बार भाजपा की लगभग 16 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं थीं जबकि कांग्रेस की 13 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं थीं। एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ए.डी.आर.) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार कुल मिलाकर सभी उम्मीदवारों में से केवल 9.6 प्रतिशत महिलाएं थीं। यह 2019 से बमुश्किल ही अधिक है जब उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दुनिया भर में संसदों में पुरुषों का दबदबा है

लेकिन भारत इस पैरामीटर में बहुत पीछे है। अंतर-संसदीय संघ (आई.पी.यू.) के डाटा से पता चलता है कि दुनिया भर के 52 देशों में 2023 में संसदीय चुनाव हुए और औसतन 27.6 प्रतिशत महिलाएं चुनी गईं। आई.पी.यू. के आंकड़ों के अनुसार 18वीं लोकसभा के चुनाव से पहले, भारत इस सूची में 185 देशों में 143वें स्थान पर था। हाल ही में सम्पन्न चुनावों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में गिरावट के साथ रैंकिंग में कुछ पायदान और गिरने की संभावना है। पार्टीवार देखें तो भाजपा में सबसे ज्यादा 31 महिला सांसद हैं, उसके बाद कांग्रेस में 13 हैं। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस में 11 महिला सांसद, सपा और द्रमुक में 5-5 हैं। इसके अलावा छोटी पार्टियों की भी कुछ महिलाएं सांसद हैं। हालांकि यह एक उत्साहजनक संकेत है कि अधिक से अधिक महिला मतदाता मतदान करने के लिए बाहर आ रही हैं। उल्लेखनीय है कि चुनाव के अंतिम 3 चरणों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक थी। इसका अंतिम परिणाम पर असर पड़ सकता है। सैंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिवैल्पिंग सोसायटीज (सी.एस.डी.एस.) द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, महिला मतदाताओं की 36 प्रतिशत की तुलना में पुरुष मतदाताओं के एक बड़े हिस्से (37 प्रतिशत) ने भाजपा को चुना। यह संख्या 2019 में पार्टी को मिले समर्थन के समान है।

यह कांग्रेस के लिए संख्याओं के विपरीत है। इस साल 22 प्रतिशत महिलाओं ने कांग्रेस को वोट दिया जो 2019 से 2 प्रतिशत अधिक है। तुलनात्मक रूप से इस साल 21 प्रतिशत पुरुषों ने कांग्रेस को वोट दिया।महिला मतदाताओं के प्रभाव और ताकत को ध्यान में रखते हुए सभी प्रमुख दलों ने महिलाओं के लिए सभी प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ प्रोत्साहनों की घोषणा की थी। इनमें सस्ती एल.पी.जी. से लेकर नकद प्रोत्साहन और बालिकाओं और महिलाओं के कल्याण के उद्देश्य से कई अन्य योजनाएं शामिल थीं। उम्मीदवारों का चयन करते समय प्रमुख राजनीतिक दलों को शायद 'जीतने की क्षमता' का कारक प्रभावित करता था।

ऐसे उच्च दाव वाले चुनावों में कोई भी राजनीतिक दल ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारना चाहेगा जिनका समर्थन आधार कमजोर हो। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि राजनीतिक दल महिलाओं को जिम्मेदारियां संभालने के लिए प्रोत्साहित करके और भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उन्हें तैयार करके आगामी चुनावों की तैयारी शुरू कर दें। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत के प्रस्तावित आरक्षण के साथ सभी दलों को भविष्य में चुनावी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने के लिए संभावित महिला उम्मीदवारों को रखना चाहिए।

शिक्षा अब एक व्यवसाय बनकर रह गई

पूरन चंद सरीन

जीवन के 3 पड़ाव हैं। सबसे पहले पढ़ाई लिखाई, फिर उसके बल पर मनचाही या जैसी-तैसी नौकरी या कोई काम-धंधा और फिर ऐसा समय जिसमें अब तक जो हुआ उसे याद करने, संस्मरण सुनते-सुनाते प्रतीक्षा करते रहना कि कब परलोक सिधारने का समय आ जाए। यही हकीकत है। योग्यता का पैमाना ॅइसे इस घटना से समझते हैं देश के संस्थान एन.ई.ई.टी. अर्थात विभिन्न व्यवसायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सरकारी संस्थानों में प्रवेश की योग्यता सिद्ध करने वाला उपक्रम नीट। इसके अंतर्गत ठेका सिद्धांत के आधार पर एन.टी.ए. या राष्ट्रीय स्तर पर इच्छुक विद्यार्थियों की परीक्षा लेने वाली एजैंसी का गठन हुआ ताकि युवा वर्ग को इधर-उधर भटकना न पड़े और वे निश्चिंत होकर अपना निर्धारित लक्ष्य या सपना पूरा कर सकें। चिकित्सा के क्षेत्र में जाने के लिए लालायित युवा वर्ग एक बहुत ही कड़े और पारदर्शी कहे जाने वाले इम्तिहान की तैयारी में जुट जाता है। स्कूल में जो पढ़ा, वह नाकाफी होने से ऐसी दुकानों का खुलना अनिवार्य हो गया जहां सभी तरह के व्यवसायों की समझ दिलाने और फिर अगर कोई प्रतियोगिता होती है तो उसमें उत्तीर्ण होने की गारंटी दी जा सके। इनका पनपना निश्चित था क्योंकि सरकार की तरफ से कोई इंतजाम न था। ऐसे में उन लोगों की पौ बारह हो गई जिन्होंने अपनी घोंसलेनुमा दुकान या बेकार पड़ी बड़ी हवेली की काट-छांट कर क्लास रूम, होस्टल में परिवर्तित कर उसके आंगन में सोना-चांदी बरसने का प्रबंध कर लिया। वहां काल्पनिक योग्यता के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति हुई जिन्हें लक्ष्य दिया गया कि चाहे जो कुछ करना पड़े, उनके यहां पढने वाले केवल पास ही नहीं बल्कि मैरिट हासिल करें ताकि उनका दाखिला बड़े और प्रतिष्ठित संस्थानों में संभव हो जाए। यदि विद्यार्थी इस योग्य है कि मार्गदर्शन से सही दिशा तक पहुंच सकता है तो इन्हें पढ़ाने वालों को अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ता है। अगर ऐसा नहीं है तो ऐसे उपाय अपनाए जाते हैं कि काबिलियत को भाड़ झोंकना पड़ जाए और पैसे के बल पर प्रथम आने वालों की भीड़ लग जाए। इनके लिए एग्जामिनेशन सैंटर पर सांठ-गांठ हो जाती है, प्रश्नपत्र लीक कर रटवाने और नकल करने की सुविधा अतिरिक्त चार्ज पर उपलब्ध कर दी जाती है। जो अपनी दिन-रात की मेहनत और परिवार को आर्थिक रूप से कंगाल तक कर देने के बल पर इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने का सपना देखते हैं, वे पीछे रह जाते हैं। लाखों युवाओं को निराशा, अवसाद और मानसिक तनाव के दौर से गुजरना पड़ता है। कोड्क्षचग इतनी महंगी कि माता-पिता से एक और चांस लेने की बात कह नहीं पाते और जो भी रोजगार मिल जाए, उसकी कोशिश में लग जाते हैं। इस बात में संदेह नहीं है कि इन सब विकट परिस्थितियों के होते हुए भी कुछ प्रतिभाशाली अपना मनचाहा कोर्स करने में सफल हो जाते हैं। विडंबना यह है कि उन्हें उनसे कम्पिटिशन करने के लिए विवश होना पड़ता है जो धन, बल और सिफारिश के दम पर इन स्थानों में उनसे आगे बैठे होते हैं। ये सब मुन्नाभाई हर जगह सफल होते रहते हैं और वे सब पद पा लेते हैं जिन पर किसी दूसरे का अधिकार था। उल्लेखनीय यह है कि यह परंपरा आजादी के बाद से अब तक अनवरत चल रही है। इसे तोडना या बदलना मुश्किल ही नहीं असंभव लगता है क्योंकि हमारी राजनीतिक व्यवस्था और सामाजिक सोच ऐसी है कि यदि थोड़ी सी पहुंच, खानदानी रुतबे और पैसा फैंक कर तमाशा देखने को मिल जाए तो इसमें बुराई क्या है शिक्षा के क्षेत्र में चाहे व्यापम घोटाला हो या पेपर लीक, ग्रेस मार्क देने और करोड़ों रुपए के लेन-देन की पृष्ठभूमि हो, कुछ नहीं बदला है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले भी कितनी अहमियत रखते हैं, किसी से छिपा नहीं है, उन्हें अपने स्वार्थ के अनुसार तोडने-मरोडने वालों की कमी नहीं है।

आज का कार्टून

भागवत की टिप्पणी पांच साल पहले होनी चाहिए थी!

> भागवत की टिप्पणी, जो कम से कम पांच साल पहले होनी चाहिए थी, निश्चित रूप से मोदी पर एक ताना था। पिछले पांच वर्षों में, आरएसएस के कई लोग मोदी की विभाजनकारी और स्वार्थी राजनीति से चिंतित हैं। मोदी ने अपने लिए एक पैन-इंडियन राजनीतिक आधार, मोदी-का-परिवार बनाकर आरएसएस से मुक्ति पाने की उम्मीद की होगी, लेकिन यह स्वार्थ पर आधारित था और व्यक्तित्व पूजा, सत्ता और विशेषाधिकार को बढ़ावा देने वाला था। बीजेपी के मंत्री न केवल अपने समर्थकों से दूर होते जा रहे थे, बल्कि भ्रष्ट और एक व्यक्तित्व पूजा के गुलाम भी हो गए थे। जैसा कि मैंने अपनी पुस्तक इंडियाज़ पावर एलीट- कास्ट, क्लास एंड अ कल्चरल रेवोल्यूशन (2021) में बताया था, मोदी, माओ ज़ेडॉन्ग की तरह, एक व्यक्तित्व पूजा को बढ़ावा देते हैं, जिसमें एक वफादार मीडिया भी शामिल है, जो अपनी पार्टी से बड़ा बनने की कोशिश करता है। भागवत ने मोदी को याद दिलाया है कि वह संघ परिवार का एक और सदस्य हैं।

संजय बारू

आंध्र प्रदेश के तेलुगु देशम सुप्रीमो एनटी रामाराव और हरियाणा के दिग्गज चौधरी देवी लाल के बीच दिलचस्प बातचीत का एक किस्सा है। देवी लाल ने एनटीआर से उनकी जाति के संदर्भ में पूछा था, कम्मा क्या होता है?, जिसका जवाब एनटीआर ने दिया था, हम आंध्र के जाट हैं। देवी लाल तुरंत एनटीआर और उनकी पार्टी को भारत के जाति पदानुक्रम के हिसाब से राजनीतिक ढांचे में फिट करने में सक्षम हो गए थे।

जब क्षेत्रीय नेता राष्ट्रीय नेता बनने की कोशिश करते हैं, तो वे हमेशा ऐसे मंच ढूंढते हैं जो पूरे देश में अपील करें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने हिंदुत्व जैसे एक मंच का निर्माण किया था, लेकिन यह अखिल भारतीय राजनीतिक मंच बनने में उतार-चढ़ाव से गुजरा है।

तो फिर, भारतीय राष्ट्रत्व को एक सूत्र में पिरोने वाला क्या तत्व है? ऐसा कौन सा तत्व है जो भारत के एक हिस्से के लोगों को दूसरे हिस्से के लोगों को अपनी सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक पहचान समझाने की आवश्यकता नहीं होने देता?

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के जाने-माने राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर, स्वर्गीय प्रोफेसर राशिदुद्दीन खान तर्क देते थे कि केवल दो समूह हैं जो वास्तव में पैन-इंडियन हैं ङ्क ब्राह्मण और मुस्लिम। निश्चित रूप से, दोनों समूहों के भीतर विभाजन हैं। शैव और वैष्णव, सुन्नी और शिया आदि। लेकिन जब कश्मीर का एक ब्राह्मण तमिलनाडु के ब्राह्मण से मिलता है, या पेशावर का एक मुस्लिम ढाका के मुस्लिम से मिलता है, तो वे एक-दूसरे से सामाजिक रूप से जुड़ पाते हैं।

राशिदुद्दीन खान की परिकल्पना थी कि ब्राह्मण और मुस्लिम (विभाजन तक) अखि?ल भारतीय समुदायों के रूप में उपमहाद्वीपीय एकीकरण के उपकरण बन गए थे। इसलिए, स्वाभाविक रूप से, आरएसएस के विचारक, जो उपनिवेशवाद के बाद के भारत को एकजुट करना चाहते थे, सभी ब्राह्मण थे। शायद यह कोई संयोग नहीं था कि पहले भाजपाई प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक ब्राह्मण थे। इसी तरह की सोच ने शायद महात्मा गांधी को हिंदी हृदयभूमि में बसे एक कश्मीरी पंडित, जवाहरलाल नेहरू को भारत का पहला प्रधानमंत्री बनाने के लिए प्रेरित किया था। नरेंद्र मोदी ने जातिगत विभाजन का फायदा उठाकर, खुद को एक पिछड़ी जाति के राजनेता के रूप में पेश करके, और अपने प्रचार भाषणों में मुसलमानों को निशाना बनाकर, अपने समर्थन आधार का विस्तार करने की कोशिश की है।

दूसरी ओर, आरएसएस न केवल हिंदू एकता पर जोर देता है, बल्कि हिंदुत्व और भारतीयता की अवधारणाओं के आधार पर अल्पसंख्यक समुदायों को जीतने की कोशिश करता है, जिसमें अल्पसंख्यकों को उनके पूर्वजों की हिंदू जड़ों की याद दिलाई जाती है। राष्ट्रीय एकता पर यह जोर, अपनी ही, हालांकि संदिग्ध, विचारधारा के ढांचे के भीतर, आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत के हालिया बयानों की व्याख्या कर सकता है।

भागवत का मुख्य संदेश था कि राजनीतिक सत्ता की तलाश में जिम्मेदार राष्ट्रीय नेताओं को विभाजनकारी नारे और एजेंडा त्यागना चाहिए, और जबकि लोकतांत्रिक मुकाबला प्रतिस्पर्धी दलों के बीच होता है, वे राष्ट्रीय सिक्के के दो पहलू बने रहते हैं। भागवत ने कहा, हमारी परंपरा सहमति बनाने की है। इसलिए संसद में दो पक्ष हैं ताकि किसी भी मुद्दे के दोनों पक्षों पर विचार किया जा सके। लेकिन हमारी संस्कृति की गरिमा, हमारे मूल्यों को बनाए रखा जाना चाहिए था। चुनाव प्रचार में गरिमा का अभाव था। इसने माहौल को जहरीला बना दिया। तकनीक का इस्तेमाल झूठे प्रचार और झूठी कहानियां फैलाने के लिए किया गया। क्या यह हमारी संस्कृति है?

भागवत की टिप्पणी, जो कम से कम पांच साल पहले होनी चाहिए थी, निश्चित रूप से मोदी पर एक ताना थी। पिछले पांच वर्षों में, आरएसएस के कई लोग मोदी की विभाजनकारी और स्वार्थी राजनीति से चिंतित हैं। मोदी ने अपने लिए एक पैन-इंडियन राजनीतिक आधार, मोदी-का-परिवार बनाकर आरएसएस से मुक्ति पाने की उम्मीद की होगी, लेकिन यह स्वार्थ पर आधारित था और व्यक्तित्व पूजा, सत्ता और विशेषाधिकार को बढ़ावा देने वाला था। बीजेपी के मंत्री न केवल अपने समर्थकों से दूर होते जा रहे थे, बल्कि भ्रष्ट और एक व्यक्तित्व पूजा के गुलाम भी हो गए थे।

जैसा कि मैंने अपनी पुस्तक इंडियाज़ पावर एलीटॅ कास्ट, क्लास एंड अ कल्चरल रेवोल्यूशन (2021) में बताया था, मोदी, माओ ज़ेडॉन्ग की तरह, एक व्यक्तित्व पूजा को बढ़ावा देते हैं, जिसमें एक वफादार मीडिया भी शामिल है, जो अपनी पार्टी से बड़ा बनने की कोशिश करता है। भागवत ने मोदी को याद दिलाया है कि वह संघ परिवार का एक और सदस्य हैं।

मोदी-का-परिवार की अवधारणा, एक प्रत्यय जो वरिष्ठ मंत्री भी शर्मनाक रूप से अपनी सोशल मीडिया पहचान में जोड़ते थे, घृणित है। संघ परिवार राष्ट्र की सेवा करता है। मोदी का परिवार केवल मोदी की सेवा करता है।

अपने संक्षिप्त, लेकि?न समय पर दि?ए बयान में भागवत ने आरएसएस की प्रतिष्ठा को बचाने की कोशिश की, खुद को क्षतिग्रस्त बीजेपी नेतृत्व से अलग किया। ऐसा करते हुए, उन्होंने मोदी से ऊपर उठकर खुद को राष्ट्रीय एकता के उच्च आसन पर रखा है। भागवत ने यह काम ऐसे समय में किया है जब भारत और दुनिया मोदी के घायल व्यक्तित्व के नीतिगत और राजनीतिक निहितार्थों की जांच कर रहे हैं।

यह याद किया जा सकता है कि वाजपेयी ने भी आरएसएस की छाया से बाहर निकलने की कोशिश की थी। उनका तत्कालीन आरएसएस प्रमुख के.एस. सुदर्शन के साथ कभी मधुर संबंध नहीं रहा। लेकिन वाजपेयी अपने मिलनसार व्यक्तित्व और समावेशी राजनीति के आकर्षण के माध्यम से सुदर्शन से ऊपर उठने में सक्षम थे। हालांकि आरएसएस ने अंततः उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाया होगा, 2004 के चुनावों में उनका समर्थन वापस ले लिया, वाजपेयी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बने रहे।

अगर मोदी नफरत और बढ़े हुए अहंकार के बजाय एकता के प्रतीक के रूप में उभरे होते, तो वे भागवत द्वारा सार्वजनिक रूप से फटकार से बच सकते थे। अयोध्या और रामजन्मभूमि हृदयभूमि में बीजेपी की हार और मोदी के काशी, हिंदू धर्म के पवित्र स्थान में खराब प्रदर्शन ने संकेत दिया कि संघ परिवार के भीतर आंतरिक असंतोष है।

मोदी के खराब प्रदर्शन के लिए स्पष्टीकरण की तलाश करने वाले राजनीतिक विश्लेषकों ने कई कारकों की सूची बनाई है और उनमें से प्रत्येक ने अपनी भूमिका निभाई। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से लेकर समाजवादी पार्टी-कांग्रेस पार्टी गठबंधन तक, क्षेत्रीय भावनाओं ने राष्ट्रीय अपील पर भारी पड़ने तक। यह भी स्पष्ट है कि मोदी को उनकी अपनी पार्टी और आरएसएस ने उनका कद बतला दिया है।

सीखना बनाम सिखाना...

प्रभात कुमार

दुनिया जानती और मानती है कि पढ़ने-लिखने, सीखने और सिखाने की कोई उम्र नहीं होती। जबसे सोशल मीडिया ने इंसानी दिमाग पर कब्जा किया है, हर विषय पर सूचनाओं के अंबार लगे हैं। यह साबित हो रहा है कि कुछ भी सीखने की उम्र तो नहीं होती, समय भी नहीं होता। सुबह से शाम तक, चौबीसों घंटे सीखते रहा जा सकता है। दुनिया भर के लोग और खासकर हमारे देशवासी सामाजिक मंच पर ज्यादा जमा हैं। ये लोग हर समय एक-दूसरे को उपदेश दे रहे होते हैं, यानी सिखा रहे होते हैं। उन्हें सुबह शुभदिन का संदेश भेजा जाए, तो वे उसे स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन अपने हाथों से शुभदिन लिख कर यानी मोबाइल के की बोर्ड पर टाइप नहीं करते, बल्कि कहीं से भेजे गए उपदेश को सिर्फ अग्रेषित कर देते हैं, जिनमें कोई न कोई सीख होती है। यह बात दीगर है कि वह सीख आज के माहौल में ऐसी होती है मानो महाभारत के समय में रामायण की सीख पर चलने के लिए आग्रह किया गया हो। सुबह जल्दी उठें या देर से, दूसरों को सिखाना, बताना और समझाना शुरू हो जाता है कि सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें, उठकर क्या-क्या करें। इस बारे में सैकड़ों लोग सिखा रहे हैं कि नाश्ते में क्या खाएं, दोपहर को क्या और रात का भोजन और भजन कितने बजे करें। आपकी पसंद, सेहत और आर्थिक हालात, सिखाने वालों को पता नहीं होते। उनका नैतिक कर्तव्य तो सुबह से रात तक क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इस बारे सिखाना है। खाने के साथ-साथ पोशाक पहनने के बारे में कई पाठ हैं। किस दिन कौन-सा रंग पहनें, किस राशि के लोग कौन से वस्त्र धारण करें, कौन से नक्षत्र में पैदा होने वालों को कौन से रंग के फल और सब्जियां खानी चाहिए। आशंका है कि शायद आने वाले वक्त में यह बताया जा सकता है कि किस राशि के व्यक्ति को सोमवार को किस आकार के कालर की टीशर्ट या कमीज पहननी चाहिए। मंगलवार को बिना कालर की लाल कमीज पहननी चाहिए या नहीं। ऐसे लोग भी मिल सकते हैं कि जो बताएं कि रविवार को घर पर खाना नहीं चाहिए। इसी तरह अलग-अलग दिन के लिए अलग रंग के कपड़े पहनना निर्धारित किया जाएगा और बताया जाएगा कि उसे कोई खास कपड़ा पहनना शुभ है या नहीं। पसंद पर इस तरह की धारणाएं और बाजार की मांग या कारोबार हावी रहेंगे। यह बात दीगर है कि बदलते फैशन पर फिल्मी शैली का कब्जा है। कपड़ों के आकार-प्रकार या डिजाइन के मामले में अशालीनता रोजाना नए पहाड़ पर चढ़ना सिखा रही है। किसी की पसंद दूसरों की नापसंद होती है। मसला सुविधा और चुनाव का है, जिस पर बंदिश संभव नहीं है और न ही उचित है।

आसपास सिखाने वालों की कतार लगी है। अब नई और हैरान करने वाली चीजें पकाने वाले दर्जनों लोग सामाजिक मंच पर सक्रिय हैं। उनके बारे में बताने वाले दिन-रात जुटे हुए हैं। यूट्यूब के वीडियो में खाना पकाना, सिखाना और कमाना, प्रतियोगिता में लिपटा व्यवसाय है। रसोई चलाने वाले लाखों लोग इनसे सीख रहे हैं। इतना ज्यादा सिखाया जाने लगा है, लगता है सुनने वाले तमाम लोग बुद्धू हैं। किसी को कुछ पता नहीं है। सिखाने वाले मानते नहीं होंगे कि सभी अपने तरीके से खाना, पीना, पहनना चाहते हैं, उन्हें बस सिखाना है, इसलिए उनकी बातें, लहजा और भाव भी उपदेशक की होती है। वे मान कर चलते हैं कि वे सिखा रहे हैं और बाकी सब लोग सीख रहे हैं।इससे इतर एक स्थिति यह है कि अधिकांश लोग इस सच को आत्मसात कर चुके हैं कि जिंदगी एक बार मिली है। इसे अपने अंदाज में जीना, मजा लेना जरूरी है। सवाल है कि ऐसे में सिखा रहे लोगों को सुनने वाले लोग सुनने के बावजूद कितना सीखते होंगे?

कुछ समय पहले एक व्यक्ति ने सिखाया कि सफाई करने से पहले जरूरत के मुताबिक सूची बना कर रख लें। यह बताया गया कि कमरा खाली कर सफाई करें। सफाई का पूरा फार्मूला बता दिया गया। जिंदगी तकनीक के शिकंजे में फंसती जा रही है। सुझाया गया कि थकान से बचने के लिए एक दिन में एक ही कमरा साफ करें। पुराने पालिथिन, बोतलें, कपड़े और प्लास्टिक पात्र संभालकर न रखने, बल्कि किसी को देने या बेचने के बारे में सुझाया गया। बाजार ने दबाव बना कर खूब सामान खरीदना सिखा दिया है। जिंदगी में स्वच्छता, पर्यावरण प्रेम, ईमानदारी और अनुशासन बहुत हो गया, अब तो बस सिखाया जा रहा है कि टीशर्ट, कार्डिगन, पैंट या हूडी कैसे तह करें। इसे आसान बनाकर फोटो और वीडियो सहित बताया जा रहा है। घरेलू सफाई के लिए छोटे से छोटे उपाय बताए जा रहे हैं। यानी कोई भी काम हो तो व्यक्ति अपना दिमाग खर्च न करे, बस यूट्यूब या कोई अन्य मंच खोल ले और सब कुछ निर्देशित तरीके से सीख ले।

आपकी शिकायत/समस्याओं में

आपका साथी

दैनिक सद्भावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम

आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।

सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें

और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।

हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।

केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।

व्हाट्सऐप न. 9685611304

ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com

नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

6 महीने से एंजल वन का शेयर करा रहा था नुकसान, अब उड़ान भरने को तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। एंजल वन के शेयर आने वाले कुछ दिनों में आपको डेढ़ गुना से अधिक मुनाफा कमवा सकते हैं। शेयर मार्केट इस स्टॉक को लेकर बुलिश हैं। घरेलू ब्रोक्रेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपने एक नोट में इसका टार्गेट प्राइस 4200 रुपये रखा है। यह अपने मौजूदा प्राइस 2599.50 रुपये से 61.40 पर्सेंट अधिक है। यानी इस स्टॉक में पैसा लगाने वालों को आने वाले दिनों में डेढ़ गुना से अधिक प्रॉफिट होने की उम्मीद है। कुल सात एनॉलिस्टों में से 4 ने इसमें स्ट्रांग बाय की सलाह दी है। जबकि, दो ने ब्ब्ह4 रेटिंग दी है। केवल एक ने इस स्टॉक को बेचकर निकल जाने की सलाह दी है। एंजल वन के शेयर प्राइस हिस्ट्री की बात करें तो शुक्रवार को यह स्टॉक 1.11 पर्सेंट टूटकर 2599.50 रुपये पर बंद हुआ था। छह महीने में यह 22 फीसद से अधिक टूट चुका है। जबकि, इस साल अब तक 27 फीसद तक नुकसान करा चुका है। हालांकि, पिछले एक साल में 66 फीसद से अधिक का रिटर्न भी दिया है। इसका 52 हफ्ते का हाई 3896 रुपये और लो 1452 रुपये है। अगर शेयर होल्डिंग पैटर्न की बात करें तो एंजल वन में जहां, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी कम की है तो घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बढ़ाई है। इसमें म्यूचुअल फंडों ने दिसंबर तिमाही की तुलना में मार्च तिमाही में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है। एंजल वन में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी दिसंबर तिमाही में 38.24 फीसद थी। जबकि, मार्च तिमाही में यह घटकर 38.21 फीसद रह गई। जहां तक विदेशी निवेशकों की बात है तो दिसंबर तिमाही के 19.11 पर्सेंट की तुलना में हिस्सेदारी मार्च तिमाही में घटकर 17.27 फीसद रह गई। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान हिस्सेदारी 9.32 से बढ़ाकर 9.49 पर्सेंट कर ली। जबकि, म्यूचुअल फंड ने शेयर होल्डिंग 7.26 फीसद से घटाकर 6.99 पर्सेंट कर दी है।

2028-29 तक 50,000 करोड़ का होगा एसी बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में घरेलू एयर कंडीशनर (रूम एसी) का बाजार 2028-29 तक 12 फीसदी की सालाना दर से बढ़कर 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। टाटा समूह की कंपनी वोल्टास ने अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि घरेलू और अग्रणी विदेशी कंपनियों की उपस्थिति के कारण भारतीय एसी बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। भीषण गर्मी, बढ़ती खर्च योग्य आमदनी और उपभोक्ता वित्त तक आसान पहुंच के साथ बेहतर जीवनशैली की चाह जैसी वजहों से घरेलू एसी श्रेणी में वृद्धि की रफ्तार बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वोल्टास ने एक जनवरी, 2024 से 20 अप्रैल, 2024 तक मात्र 110 दिन की अवधि में 10 लाख एसी बेचे हैं। इस सत्र में कई कंपनियों की एसी बिक्री अप्रैल-मई में दोगुना से अधिक हो गई है। इससे पहले उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं उपकरण विनिर्माता संघ ने कहा था कि इस साल घरेलू एसी की रिकॉर्ड बिक्री की उम्मीद है।भीषणगर्मी के कारणमांग में वृद्धि से 2024 में एसी की सालाना बिक्री 1.4 करोड़ इकाई के स्तर पर पहुंच जाएगी।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी पेपर लीक मामला : अक्षय बम के कॉलेज पर की गई कार्यवाही पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, विधानसभा में मुद्दा उठाने की तैयारी

इंदौर। डीएवीवी पेपर लीक मामले को कांग्रेस ने विधानसभा में उठाने की तैयारी है। भाजपा नेता अक्षय बम के आयडलिक कॉलेज पर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की कार्रवाई पर कांग्रेस और पूर्व कार्य परिषद सदस्यों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पेपर आउट करने के बावजूद कॉलेज पर महज 5 लाख की पेनल्टी और 3 साल के लिए कॉलेज को परीक्षा केंद्र नहीं बनाने की कार्रवाई की गई है। पूर्व ईसी मेंबर का कहना है कि कार्य परिषद को पेनल्टी लगाने का अधिकार ही नहीं है। आरोपियों को बचाने के लिए कार्रवाई के नाम पर हल्के फैसले लिए गए हैं।

बता दें एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर का 25 और 28 मई को होने वाला पेपर लीक हो गया था। शिकायत के बाद देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई थी जिस पर भाजपा नेता अक्षय बम के आयडलिक कॉलेज के कम्प्यूटर ऑपरेटर और दो छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। कॉलेज प्रिंसिपल के रूम से कम्प्यूटर ऑपरेटर ने ही पेपर लीक किया था। इसकी जांच के लिए यूनिवर्सिटी ने एक कमेटी बनाई थी, जिसमें रिटायर्ड जज (लोकपाल) और यूनिवर्सिटी के अधिकारी

शामिल थे। जांच रिपोर्ट कार्य परिषद बैठक में रखी गई। कॉलेज पर 5 लाख की पेनल्टी लगाई। बैठक में उच्च शिक्षा आयुक्त निशांत वरवड़े भी मौजूद थे। कॉलेज की संबद्धता समाप्त करने की मांग उठी थी लेकिन उस पर निर्णय लेने के लिए एक अन्य जांच कमेटी बनाने की बात कुलपति ने कही।

ईसी को पेनल्टी का पावर नहीं, दोबारा एग्जाम का खर्च भी ज्यादा

आरजीपीवी के पूर्व कार्य परिषद सदस्य अजय चौरडिया का कहना है कि पहला तो ये कि कार्य परिषद को पेनल्टी लगाने का अधिकार ही नहीं है। किस आधार पर पेनल्टी लगाई। दूसरा 5 लाख की पेनल्टी लगाने के पीछे वजह क्या। इतना ही अमाउंट क्यों। अगर इसका जवाब एग्जाम खर्च है तो वो भी जस्टिफाई नहीं होता है, क्योंकि वापस एग्जाम कराने पर 15 से 20 लाख का खर्चा है।

यूनिवर्सिटी तो फिर भी नुकसान में है। परीक्षा की गोपनीयता भंग करने वाली कॉलेज प्राचार्य को यूनिवर्सिटी ने कार्रवाई के दायरे में नहीं लिया है। एग्जाम पेपर पुलिस थाने में रखे जाने थे, जिन्हें प्रिंसिपल ने अपने रूम में रखा। सरकार शक के घेरे में है। दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। ये सब दिखावे की कार्रवाई है। बता दें पेपर लीक होने के बाद यूनिवर्सिटी को एमबीए प्रथम सेमेस्टर के दोनों विषयों की दोबारा परीक्षा करवानी पड़ रही है। 20 और 25 जून को पेपर रखे गए हैं। 13 हजार स्टूडेंट्स दोबारा एग्जाम देंगे।

कांग्रेस ने बनाई कमेटी

कांग्रेस ने मामले की जानकारी जुटाने के लिए कमेटी बना दी है। 5 सदस्यीय कमेटी में पूर्व विधायक रवि जोशी, मृणाल पंत, पूर्व ईसी मेंबर अजय चौरडिया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्?ढा सहित अन्य नेता शामिल है। कमेटी गोपनीय रिपोर्ट तैयार करेगी जिसे विधानसभा में रखा जाएगा। पूर्व कार्य परिषद सदस्य और कांग्रेस नेता तेजप्रकाश राणे ने बताया कि मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से चर्चा हो चुकी है। पेपर लीक कांड को विधानसभा में उठाया जाएगा।

कुलपति-रजिस्ट्रार को हटाने की मांग

कांग्रेस ने मामले में देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के कुलपति और रजिस्ट्रार को हटाने की मांग की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ओवरऑल जिम्मेदारी दोनों की है। इनकी जांच होनी चाहिए की ये अपना कर्तव्य निर्वहन करने में फेल हो गए। पूर्व ईसी मेंबर चौरडिया ने मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि इन्हें छुट्?टी पर भेज मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाए।

बीएड-एमएड ऑनलाइन काउंसलिंग : अंतिम चरण में 40 फीसद से ज्यादा सीटें खाली

इंदौर। राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर ऑनलाइन काउंसलिंग का अंतिम चरण चल रहा है, जिसमें 40 प्रतिशत से अधिक सीटें रिक्त है। इन पर विद्यार्थियों को दाखिला दिया जाएगा। पंजीयन के बाद छात्र-छात्राओं के दस्तावेजों का सत्यापन हो चुका है। प्राप्त आवेदन के आधार पर विद्यार्थियों की मेरिट सूची तैयार होगी। फिर कॉलेजों की सीट आवंटन की जाएगी। ये सूची 25 जून को उच्च शिक्षा विभाग जारी करेगा।

1 मई से चल रही है काउंसिलिंग

बीएड-एमएड, बीपीएड-एमपीएड, बीएडएमएड, बीएबीएड, बीएससीबीएड, बीएलएड सहित अन्य कोर्स की करीब 62 हजार सीटें है, जिसमें अकेले बीएड की 58 हजार 950 और बाकी पाठ्यक्रमों की चार हजार सीटें है। विभाग ने 1 मई से ऑनलाइन काउंसलिंग शुरू की है। अब तक दो चरण की प्रवेश प्रक्रिया खत्म हो चुकी है, जिसमें कॉलेजों की 57-58 फीसद सीटें भर पाई है। अंतिम चरण में 40 फीसद से ज्यादा सीटें खाली है। अभी 37 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन करवाए है, लेकिन 23 हजार छात्र-छात्राओं के दस्तावेज सत्यापित हो पाए है। 25 जून को मेरिट सूची आने के बाद विद्यार्थियों को सीटें आवंटित होगी। 1 जुलाई तक कॉलेजों की फीस जमा करने के लिए विद्यार्थियों को समय दिया है।

124 किमी दूर रहे विद्यार्थियों को कॉलेज

निजी कॉलेज संघ के पदाधिकारियों के मुताबिक, सीटों की तुलना में पंजीयन अधिक होने के बावजूद विभाग प्रत्येक चरण में 28-30 फीसद सीटें ही आवंटित कर रही है, जिसमें 100 से 125 किमी दूर विद्यार्थियों को कॉलेज मिल रहे है। वहीं विभाग आवंटन के दौरान विद्यार्थियों के मोबाइल नंबर भी नहीं दर्शाते है। इसके चलते उनसे संपर्क करना मुश्किल होता है। वैसे कॉलेज दूर होने से कई विद्यार्थी प्रवेश नहीं लेते है। वे कहते है कि अंतिम चरण में 40 फीसद सीटें भरना मुश्किल है। विभाग को प्रवेश के लिए काउंसिलिंग का अंतिम चरण देना होगा।

NEET UG Row: No Officials Will Be Spared If Found Guilty : Union Education Minister Dharmendra Pradhan

Union Education Minister Dharmendra Pradhan said on Sunday that he had received information about irregularities at two locations in the National Eligibility-cum-Entrance Test (Undergraduate) (NEET-UG) 2024. Mr Pradhan assured students and their parents that the government had taken serious note of the matter. "No official, even those at the highest levels, will be spared if found guilty. Significant improvements are necessary within the NTA. I assure you that no accused will be spared, and they will face the harshest punishment," he added.

Speaking to ANI in Odisha's Sambalpur on the NEET issue, the minister said, "Following the Supreme Court's recommendations, an order has been issued for a re-test of 1,563 candidates due to

irregularities discovered at two locations. I want to assure students and parents that the government is treating this matter very seriously. If high-ranking officials of the NTA are found guilty, they will face strict consequences. Significant improvements are needed within the NTA, and the government is committed to ensuring accountability. No culprit will be spared; they will face the harshest punishment." The minister's assurance came in response to opposition criticism amid allegations of irregularities, inflated scores, and paper leaks in the medical entrance exam. A total of 23 lakh candidates had appeared in the examination, and results were declared on May 5.

The national examination body and the education ministry are investigating claims of a paper leak at certain centers in Patna after the Economic Offences Wing (EOW) arrested 13 people, including four examinees and their family members. Regarding the alleged irregularities at specific locations, Mr Pradhan stated, "The government is actively pursuing resolution and reform, taking specific actions in accordance with directives from the Supreme Court. All efforts are closely supervised by the court."

IAF Recruitment : Agniveer 2024 Notification Issued, Registration Begins On July 8

The Indian Air Force (IAF) has announced recruitment for Agniveer Vayu positions under the Agnipath scheme for 2024. It offers a chance to unmarried Indian male and female candidates to join the Indian Armed Forces. Applications will be open from July 8 to July 28 through the official website, agnipathvayu.cdac.in. Eligible candidates, born between July 3, 2004, and January 3, 2008, can apply, provided they do not exceed 21 years of age at the time of enrollment after clearing all selection stages.

Educational Qualification

For Science Subjects

Candidates must have passed Intermediate or equivalent with Mathematics, Physics, and English from recognized Education Boards with at least 50% marks in aggregate and 50% in English. Alternatively, completed a three-year Diploma Course in Engineering with 50% marks in aggregate and English (if English was not a subject in the Diploma).

For Non-Science Subjects

Candidates must have passed Intermediate or equivalent in any stream with 50% marks in aggregate and 50% in English. Alternatively, completed a two-year vocational course with similar marks.

Medical Standards

Height

For Male candidates, the minimum acceptable height is 152.5 cmsFor Female candidates, the minimum acceptable height is 152 cmsCandidates from North East or hilly regions of Uttarakhand can have a lower minimum height of 147 cmsFor candidates from Lakshadweep, the minimum height requirement is 150 cms

Weight

Proportionate to height and age.

Visual Standards

6/12 each eye, correctable to 6/6 each eye.

Application Fee

Applicants are required to pay a fee of Rs 550 to submit their candidature.

The official notification states, "Agniveervayu will be enrolled in the Indian Air Force under the Air Force Act 1950 for a period of four years. Agniveervayu will hold a distinct rank in the Indian Air Force, different from any existing ranks. The Indian Air Force is not obliged to retain Agniveervayu beyond the engagement period of four years."

AI app takes just 7 minutes to crack UPSC Prelims 2024, scores record 170/200

AI apps have definitely been evolving quickly. AI-based app PadhAI scored over 170 marks out of 200 in the UPSC Civil Services Preliminary Examination 2024, completing the entire paper within just seven minutes. This unprecedented achievement places PadhAI among the top 10 scorers nationally, possibly even securing the top rank. Developed by a team of IITians, PadhAI showcased its capabilities in a public setting immediately after the UPSC preliminary exam. The event, held at The Lalit hotel in Delhi, was attended by prominent figures from the education sector, the UPSC community, and media professionals. The AI app's performance was live-streamed on livestream.padhai.ai and YouTube, allowing viewers to witness this technological feat in real-time.

PADHAI SCORES OVER 170 MARKS

The AI app's score, which significantly exceeds the general qualifying score of under 100, highlights its potential in revolutionising exam preparation and performance. PadhAI's answers were rigorously compared with those of broad AI models from major tech companies like OpenAI, Microsoft, and Google, using answer keys provided by leading coaching institutes. It was also much higher than the average score bagged in this prestigious exam. Karttikeya Mangalam, CEO of PadhAI, emphasised the significance of this achievement, stating, "This is the highest score achieved in the last 10 years of UPSC exams. We believe that while our event is first of its kind, in a few years, such events will become commonplace as several educational institutions race to solve papers quickly and precisely with AIs."

REVOLUTIONISING UPSC PREPARATION

PadhAI is available on the Google Play Store and offers a suite of features designed to enhance UPSC preparation. These include news summaries, smart Previous Year Question (PYQ) search, doubt clarification, interactive answer explanations, and book summaries. The app aims to provide comprehensive support to aspirants, leveraging AI to streamline and optimise their study process.

NEP 2020 : UGC introduces curriculum and credit framework for Postgraduate (PG) programmes

Aligning with the National Education Policy (NEP) 2020, the University Grants Commission (UGC) has introduced a curriculum and credit framework for Postgraduate (PG) programmes. These guidelines will give students the opportunity to choose the courses of their interest. As a part of the recommendations for PG programmes, UGC has said that there may be a two year programme with the second year devoted entirely to research for those who have completed the three year Bachelor's programme. For students completing a four year Bachelor's programme with Honours/Honours with research, there could be a one year Master's programme. UGC also suggested that there may be an integrated five year Bachelor's/Master's programme. Additionally, universities are encouraged to offer PG programmes in core disciplines like Machine Learning and multidisciplinary fields. There shall be a National Higher Education Qualifications Framework (NHEQF). Higher education qualifications leading to a degree/diploma/certificat e shall be described by the NHEQF in terms of such learning outcomes. Accordingly, the levels prescribed for the master's programme are levels 6, 6.5, and 7, the guidelines added.

The Master's students will have the flexibility to move from one discipline of study to another. There will also be flexibility for students who qualify UG with a double major to opt for any of the two subjects they have majored. Moreover, there is flexibility for students who qualify UG with a major and minor (s) to opt for either major or minor(s) subject in Master's programme. Students will have the opportunity for learners to choose the courses of their interest, and will also have the flexibility to switch to alternative modes of learning (offline, ODL, online learning, and hybrid modes of learning).

गर्मियों में फटाफट

बाथरूम की सफाई के लिए अपनाएं ये हैक्स

अगर आपको भी गर्मी के मौसम में साफ-सफाई का काम करने में काफी परेशानी होती है, तो आप यहां बताए गए क्लिनिंग हैक्स को फॉलो कर फटाफट काम निपटा सकती हैं।

गर्मी में अगर कोई घर में साफ-सफाई करने को कह दे, तो मानो आफत ही आ जाती है। खासकर बाथरूम की सफाई में तो बारिकियों से काम करना पड़ता है। अगर आपको भी गर्मी के मौसम में बाथरूम की सफाई करना एक मुश्किल काम लगता है, तो तो अब आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स और टिप्स बताएंगे, जिसकी मदद से आप गर्मियों में भी फटाफट काम निपटा सकती हैं।

बाथरूम को साफ करने के लिए सबसे पहले करें प्लान

बाथरूम को साफ करने के लिए आपको चाहिए कि आप सबसे पहले प्लानिंग कर लें कि आपको सबसे पहले किस चीज की सफाई करनी है, क्योंकि बाथरू में बहुत सारी चीजें होती हैं, जिसे साफ करना होता है। ऐसे में अपनी सुविधा अनुसार काम जल्दी निपटाने की टेकनीक अपना सकती हैं।

बाथरुम की सफाई में शॉवर क्लीनर का करें उपयोग

बाथरुम में आप शॉवर क्लीनर का उपयोग करके फर्श और दीवारों को तेजी से और आसानी से साफ कर सकती हैं। आपको बार-बार मग या किसी बर्तन में पानी भरने और उसमें से निकालने की जरूर भी नहीं पड़ेगी।

बाथरूम के शीशे को करें साफ

बाथरूम में सबसे जल्दी साफ होने वाला एक मात्र चीज शीशे ही होते हैं। इसलिए, ऐसी चीजों की सफाई सबसे पहले करें। इसके लिए आप माइक्रोफाइबर कपड़े और सफाई करने वाले स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिंक और बाथटब को इस तरीके से करें क्लीन

सिंक और बाथटब को तेजी से साफ करने के लिए एक हल्के डिटर्जेंट और गर्म पानी का यूज कर सकती हैं। इसमें ज्यादा गंदगी बैठ गई है, तो इसे रगड़ने के लिए स्पंज या ब्रश का उपयोग कर सकती हैं।

बाथरुम के फर्श को फटाफट ऐसे करें साफ

गर्मी में फास्ट और अच्छे से बाथरूम के फर्श को साफ करने के लिए आप डिटर्जेंट और गर्म पानी का उपयोग कर सकती हैं। फर्श को पोछने के लिए मोप का इस्तेमाल कर सकती हैं।

टॉयलेट की सफाई में लें क्लीनर की मदद

बाथरुम की सफाई कर रही हैं, तो जाहिर सी बात है, कि टॉयलेट की सफाई की तो जरूरत पड़ेगी ही। पर गर्मी में झटपट काम निपटाने के लिए टॉयलेट क्लीनर की मदद ले सकती हैं। यह साफ करने का एक प्रभावी तरीका है।

इंश्योरेंस लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

इंश्योरेंस खरीदने से पहले कई प्रकार की बातों का ध्यान का रखना चाहिए जैसे कि आप किस प्रकार का बीमा करवाना चाहते हैं। इसके अलावा क्या इसका चयन आपके लिए बेहतर साबित होगा।

लाइफ को बेहतर बनाने के लिए अक्सर लोग बीमा करवाने का रूख करते हैं ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी होने वाली स्थितिओं से सुरक्षित रह सकें। इसके अलाव उस दौरान उन्हें फाइनेंशियल सपोर्ट मिल सकें। वैसे तो कई प्रकार की बीमा योजनाएं जैसे लाइफ इंश्योरेंस, हेल्थ, ट्रेवल और कार इश्योरेंस शामिल है। इन सभी चीजों का इंश्योरेंस कराना भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होता है। इससे जुड़ी जरूरते हर इंसान के लिए अलग-अलग होती है लेकिन उसे किस कराते समय किन बातों का ध्यान रखना है यह सामान होता है। हालांकि बाजार में तमाम प्रकार के बीमा प्रोडक्ट मौजूद होने के साथ इसके साथ होने वाले कागजी कार्रवाई कभी ताम-झाम भरी होती है। ऐसे में लोग इंश्योरेंस का सही चुनाव नहीं कर पाते हैं।

इंश्योरेंस करवाते समय रखें इन बातों का ध्यान

जैसा कि हमने ऊपर आपको बताया कि बीमा कई प्रकार के होते हैं। हम अपनी जरूरत के हिसाब से इसे कराना पसंद करते हैं। बता दें, कि जिस प्रकार से बीमा कई प्रकार के होते हैं उसी प्रकार से इंश्योरेंस कंपनिया भी कई प्रकार की होती है। ऐसे में सही इंश्योरेंस प्लान का चुनाव करना बहुत जरूरी होता है। अगर आप बीमा खरीदने का प्लान कर रहे है, तो कुछ खास बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है।

कंपनी का करें सही चयन

बीमा करवाते समय यह ध्यान रखें कि आप किस कंपनी से इंश्योरेंस पॉलिसी ले रहे हैं। कंपनी पर रिसर्च करके उसका चुनाव करें। उस कंपनी से बीमा करवाएं, जिसका पुराना रिकॉर्ड अच्छा रहा हो। इसके साथ ही यह भी तय करें कि आप किस प्रकार का इंश्योरेंस करवाना चाहते हैं। उस बीमा पॉलिसी से जुड़ी हर एक प्रकार की जानकारी के बारे में कंपनी से बात करें।

कवर राशि का रखें ध्यान

अक्सर हम भविष्य की सुरक्षा और सेफ्टी के लिए बीमा करवाते हैं। ऐसे में आप इसे खरीदते समय यह ध्यान रखें कि वह प्लान आपकी जरूरतों को पूरा करता है या नहीं। कई बार या तो बहुत कम राशि वाला बीमाकरवाते या फिर बहुत ज्यादा वाला। लेकिन इसे करवाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कितने का बीमा करवाएंगे तो आपको फायदा होगा। अपने बजट को देखते हुए प्लान को चुनें।

उम्र का रखें खास ख्याल

बीमा करवाते समय यह भी मायने रखता है कि आप किस उम्र से बीमा करवा रहे हैं। वैसे आमतौर पर 80-85 साल तक का बीमा प्लान मौजूद होता है। हालांकि उस वक्त तक बीमा की जरूरत नहीं होती है। ऐसे में आप एक सही उम्र तक के लिए बीमा करवाएं।

इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदते समय इन सवालों के जवाब जरूर लें

- आपको यह तय करना होगा कि आप किस प्रकार की इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदना चाहते हैं, जैसे कि जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, गाड़ी बीमा या किसी अन्य प्रकार की इंश्योरेंस।
- आपको यह भी तय करना होगा कि आपको कितना कवर चाहिए, अर्थात आपको कितनी इंश्योरेंस राशि की आवश्यकता है।
- आपको पॉलिसी की प्रीमियम की जानकारी होनी चाहिए, जिससे आपको पॉलिसी की कीमत और भुगतान की तारीख का पता चल सकें।
- आपकी खास जरूरतों के आधार पर बनाई गई पॉलिसी की जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि क्या आपको मेडिकल कवर चाहिए, किस प्रकार की गाड़ी बीमा आवश्यक है, आदि।
- पॉलिसी के रिव्यू प्रोसेस के बारे में जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि पॉलिसी को कितने साल के लिए खरीदा गया है और क्या आपको नियमित अंतरालों में प्रीमियम भुगतान करना होगा।
- आपको यह देखना होगा कि आपकी इंश्योरेंस कंपनी विश्वासी है और उसका प्रिडिक्टिव रिटर्निंग क्या है।
- आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि क्लेम प्रक्रिया क्या है और कैसे क्लेम दर्ज किया जाता है।
- आपको यह देखना होगा कि पॉलिसी में छुट्टियों की विशेष शर्तें क्या हैं और कैसे वे कार्य करती हैं।
- आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि आप स्वयं से पॉलिसी को कैसे रद्द कर सकते हैं।

इंश्योरेंस लेने से पहले कंपनी से जरूर पूछें ये सवाल वर्ना होगा नुकसान

इंश्योरेंस एक बेहतर वित्तीय निर्णय हो सकता है। अपने विकल्पों को समझने और सही पॉलिसी चुनने के लिए आप इन तरीकों का पालन कर सकते हैं।

इंश्योरेंस आपको वित्तीय तौर पर सुरक्षित महसूस करने में मदद कर सकता है। अगर आपके साथ कोई दुर्घटना या आपदा होती है, तो इंश्योरेंस कंपनी आपको मुआवजा दे सकती है। इससे आपको अपने खर्चों को कवर करने और आपको फिर से काम शुरू करने में मदद मिल सकती है। क्योंकि, इंश्योरेंस आपको अपने परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकता है। अगर आपके साथ किसी तरह का हादसा हो जाता है, तो आपका जीवन बीमा आपके परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान कर सकता है। इससे उन्हें अपने जीवन को सुगम बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

कुछ प्रकार के इंश्योरेंस आपको टैक्स में लाभ दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप अपने जीवन बीमा प्रीमियम पर टैक्स के छूट का दावा कर सकते हैं। वहीं कुछ ऐसे प्रकार के इंश्योरेंस में अन्य लाभ भी शामिल हो सकते हैं, जैसे कि चिकित्सा बीमा में शामिल यात्रा चिकित्सा सहायता। इंश्योरेंस एक बेहतर वित्तीय निर्णय हो सकता है। अपने विकल्पों को समझने और सही पॉलिसी चुनने के लिए आप इन तरीकों का पालन कर सकते हैं।

ये सवाल, जो आप किसी भी कंपनी से पूछ सकते हैं -

- क्या पॉलिसी में कोई छूट उपलब्ध है?
- क्या पॉलिसी में कोई अलग से फायदा है?
- क्या पॉलिसी को ऑनलाइन या किसी एजेंट के माध्यम से खरीदा जा सकता है?
- एक ही पॉलिसी के लिए अलग-अलग कंपनियों के बीच प्रीमियम में काफी अंतर हो सकता है, इसलिए अंतर के बारे में जरूर जान लें।
- आपको किस प्रकार का पॉलिसी कवरेज चाहिए? आप कितना भुगतान करने को तैयार हैं? बजट के अनुसार आप इंश्योरेंस खरीद सकते हैं।
- इंश्योरेंस कंपनी से बात करते समय, आपके सभी सवालों के जवाब देने के लिए एजेंट को समय निकालने के लिए कह सकते हैं। यह आपको इंश्योरेंस पॉलिसी को समझने और सही निर्णय लेने में मदद कर सकता है। इंश्योरेंस लेने से पहले कंपनी से ये सवाल पूछने पर नुकसान होने का खतरा कम हो सकता है, इस मामले पर एक्सपर्ट क्या कहते हैं?

पटियाला सूट के साथ इन इयररिंग्स को करें वियर, लगेंगी खूबसूरत

अगर आप पटियाला सूट पहन रही हैं और इसके साथ स्टाइल करने के लिए इयररिंग्स सर्च कर रही हैं तो ये डिजाइन आपको पसंद आ सकते हैं।

कई लड़कियां होती हैं जिन्हें अलग - अलग तरीके के सूट पहनने पसंद होते हैं। पटियाला सूट लड़कियों को पहनना काफी पसंद होता है। इसमें वो कई तरह के डिजाइन को ट्राई करती हैं। इसमें भी आजकल अलग-अलग तरह के डिजाइन देखने को मिलते हैं। जिन्हें हर कोई अपने तरीके से स्टाइल करता है। लेकिन लुक तब परफेक्ट बनता है आप इयररिंग्स को स्टाइल करती हैं। इसके लिए अलग-अलग डिजाइन वाले इयररिंग्स को ट्राई कर सकती हैं। जिसके डिजाइन ऑप्शन हम आपको बताएंगे ताकि आपका लुक परफेक्ट लगे।

झुमकियां

अगर आपको कुछ सिंपल और सोबर पहनने का मन है तो इसके लिए आप झुमकियां ट्राई कर सकती हैं। इन्हें आप पटियाला सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आप डोम स्टाइल झुमकियां भी ट्राई कर सकती हैं, साथ ही चेन स्टाइल झुमकियां भी आप ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की झुमकियां पहनने के बाद आपका लुक बिल्कुल ट्रेडिशनल लगेगा। इसके कलर और डिजाइन आपको मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएंगे।

चांद बालियां

कई सारी महिलाएं होती हैं जो ट्रेडिशनल लुक को काफी पसंद करती हैं। इसलिए वो सूट के साथ भी एंटीक या फिर ट्रेडिशनल ज्वेलरी पहनना पसंद करती हैं। अगर आपको भी पसंद है इस तरह की ज्वेलरी तो इस बार पटियाला सूट के साथ चांद बालियों को ट्राई करें इस तरह के इयररिंग्स डिजाइन काफी खूबसूरत लगते हैं साथ ही स्टाइल करने के बाद आपके लुक में चार चांद लगा देते हैं। इसमें आप गोल्ड, सिल्वर और स्टोन वर्क चांद बाली ट्राई कर सकती हैं।

हूप्स इयररिंग्स

अगर आपको सिंपल हूप्स पहनना पसंद है तो इसके लिए आप झुमकी के साथ हूप्स इयररिंग्स डिजाइन को स्टाइल कर सकतीहैं। इस तरह के इयररिंग्स के डिजाइन आपको ऑनलाइन और मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं। इनकी खास बात ये होती है कि अगर आपका पटियाला सूट हैवी है तो इस तरीके के इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं ये दिखने में और पहनने में सिंपल होते हैं और अच्छे लगते हैं।

स्टड इयररिंग्स

अगर आपको टॉप्स स्टाइल में इयररिंग्स पहनने पसंद है तो इस तरह के स्टड डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। ये दिखने में सिंपल होते हैं साथ ही पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। पटियाला सूट के साथ भी आप इन्हें स्टाइल कर सकती हैं। डिजाइन और कलर पैटर्न आपको ऑनलाइन और मार्केट में मिल जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

टी-20 वर्ल्डकप

हाय रे पाकिस्तान! 107 रन बनाने में हांफ गया, बाबर आजम ने जैसे-तैसे बचाई लाज

फ्लोरिडा, एजेंसी। बाबर आजम के नाबाद 32 रनों की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को फ्लोरिडा में आयरलैंड पर 3 विकेट से जीत के साथ अपने निराशाजनक टी20 विश्व कप अभियान का अंत किया। पाकिस्तान ने 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष किया, लेकिन बाबर ने एक छोर संभाले रखा और सुनिश्चित किया कि टूर्नामेंट में 2009 के चैंपियन के लिए कोई और उलटफेर न हो। इससे पहले शाहीन अफरीदी और इमाद वसीम ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 9 विकेट पर 106 रन बनाए। खास बात यह है कि दोनों टीमें पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तानी खिलाड़ी ने किया निराश

खत्म हो सकता है करियर

फ्लोरिडा, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। उनकी टीम सुपर 8 राउंड में भी नहीं पहुंच सकी। ग्रुप ए में उन्होंने अमेरिका, भारत, कनाडा और आयरलैंड के खिलाफ मैच खेला। जहां उन्हें सिर्फ कनाडा और आयरलैंड के खिलाफ जीत मिल सकी। इसके अलावा उन्हें अमेरिका जैसे छोटी टीम ने भी हरा दिया। इसी बीच पाकिस्तान के एक खिलाड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप में निराशजनक प्रदर्शन किया। जिसके बाद इस खिलाड़ी के करियर पर काफी सवाल खड़े हो गए हैं। यह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि फखर जमां हैं। फखर जमां का टी20 करियर भी अब खतरे में नजर आ रहा है।

विश्व कप में पूरी तरह से रहे फेल

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को फखर जमां से इस टी20 विश्व कप कुछ बड़े कमाल की उम्मीद थी, लेकिन इस सब के बीच उन्होंने अपनी टीम के लिए एक भी ऐसी पारी नहीं खेली जिसे देख उन्हें आगे के प्लान के लिए पाकिस्तान की टीम का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने चार मैचों में 33 रन बनाए। टीम में पावरहिटर की भूमिका होने के बाद भी उन्होंने एक भी तेज पारी नहीं खेली। फखर जमां ने अमेरिका के खिलाफ 11 रन, भारत के खिलाफ 13 रन, कनाडा के खिलाफ 4 रन और आयरलैंड के खिलाफ 5 रन की पारी खेली।

ओलंम्पिक क्वालिफायर

हरियाणा की तीरंदाज भजन कौर को स्वर्ण के साथ ओलंपिक टिकट

अंकिता भकत ने भी हासिल किया

अंताल्या (तुर्की), एजेंसी। दूसरी वरीय दीपिका को अजरबेजान की तीरंदाज ने 6-4 (26-28, 25-27, 23-26, 24-25, 27-29) से मात दी। टीम के एक अधिकारी के मुताबिक, दीपिका को उपकरण संबंधित कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन खराब रिलीज के कारण ऐसा हुआ। यह दबाव के कारण या किसी और वजह से हो सकता है। हरियाणा के ऐलानाबाद की रहने वाली तीरंदाज भजन कौर ने ओलंपिक क्वालिफायर तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया। भजन ने फाइनल में शीर्ष वरीय ईरान की मोबीना फलाह को 6-2 से पराजित किया। वह तीरंदाजी में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली दूसरी तीरंदाज हैं। इससे पहले बी धीरज पुरुषों में कोटा ले चुके हैं।

इससे पहले भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत अंताल्या में ओलंपिक क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करके पेरिस खेलों के लिए व्यक्तिगत कोटा जीता था। अंकिता ने रविवार को फिलीपींस की गैब्रियल मोनिका बिडौर को हराया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

साथ ही अगले महीने होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए महिला वर्ग में व्यक्तिगत कोटा हासिल कर लिया। नौवीं वरीय अंकिता ने प्री क्वार्टर फाइनल में 40वीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी गैब्रियल पर 6-0 (26-23, 28-22, 28-23) से जीत हासिल की। भारत ने इस तरह पुरुष और महिला दोनों वर्गों में व्यक्तिगत कोटा हासिल कर लिया है। धीरज बोम्मादेवरा ने इससे पहले एशियाई क्वालीफाइंग चरण से पुरुष व्यक्तिगत कोटा हासिल किया था।

इससे पहले अंकिता ने इजराइल की शेली हिल्टन को 6-4 (24-26, 25-25, 28-20, 25-25, 27-25) और मिकाएला मोशे को 7-3 (28-25, 25-27, 27-27, 28-25, 26-25) से हराकर अंतिम 16 में जगह बनायी थी। अब वह क्वार्टरफाइनल में ईरान की शीर्ष वरीय मोबिना फलाह से भिड़ेंगी। व्यक्तिगत कोटे शीर्ष आठ देशों को दिए जाते हैं। प्रत्येक देश को एक व्यक्तिगत कोटा मिलता है।

दीपिका को मिली अप्रत्याशित हार

रैंकिंग राउंड में शीर्ष पर रहने वाली दीपिका कुमारी को पहले ही मुकाबले में अजरबैजान की यावलागुल से 4-0 की बढ़त के बावजूद 4-6 से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। भजन ने सेमीफाइनल में माल्डोवा की अलेक्जांद्रा मिर्का को 6-2 से हराया था।

भजन का कोटा मिलने से पेरिस ओलंपिक में भारत का मिश्रित स्पर्धा में भी खेलना तय हो गया है। धीरज और भजन की जोड़ी यहां उतर सकती है। हालांकि भारत के पास अभी पुरुष और महिला वर्ग में टीम का कोटा हासिल करने का मौका है। भारत अपनी रैंकिंग पर कायम रहा तो 24 जून को उसे दोनों वर्गों में टीम कोटा मिल सकता है।

वेगहोर्स्ट के गोल से नीदरलैंड ने पोलैंड को 2-1 से हराया, डेनमार्क ने स्लोवेनिया से ड्रॉ खेला

बर्लिन, एजेंसी। चोटिल स्टार रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना खेल रही पोलैंड ने उनकी जगह पर उतरे छह फुट तीन इंच की लंबी कद काठी के एडम बुक्सा के 16वें मिनट में हेडर से किये गोल की मदद से 1-0 से बढ़त बना ली थी जो ज्यादा देर तक नहीं रह सकी। नीदरलैंड के फॉरवर्ड वाउट वेगहोर्स्ट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरकर प्रभावित करते रहे हैं और रविवार को यूरोपीय चैम्पियनशिप के मुकाबले में भी उन्होंने ऐसा करते हुए अंत में गोल कर अपनी टीम को पोलैंड पर 2-1 से जीत दिलायी। इस स्ट्राइकर ने 83वें मिनट में मेम्फिस डिपे की जगह मैदान पर आने के बाद पहले ही प्रयास में बायें पैर से नीचा शॉट लगाकर गोल दाग दिया। डिपे ने कई मौके गंवा दिये थे।

रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना उतरी पोलैंड की टीम

चोटिल स्टार रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना खेल रही पोलैंड ने उनकी जगह पर उतरे छह फुट तीन इंच की लंबी कद काठी के एडम बुक्सा के 16वें मिनट में हेडर से किये गोल की मदद से 1-0 से बढ़त बना ली थी जो ज्यादा देर तक नहीं रह सकी। नीदरलैंड के लिए कोडी गाकपो ने 29वें मिनट में पोलैंड के गोलकीपर वोजसिएच स्जेस्नी को चकमा देते हुए 'डिफ्लेक्टिड' शॉट से बराबरी गोल दागा। नीदरलैंड की इस जीत से ग्रुप डी की प्रबल दावेदार फ्रांस की टीम पर कुछ दबाव बढ़ जायेगा जो सोमवार को आस्ट्रिया से भिड़ेगी। डेनमार्क ने स्लोवेनिया के साथ आज के दूसरे मुकाबले में 1-1 से ड्रॉ खेला। ग्रुप-सी के इस मैच में डेनमार्क के क्रिश्चियन एरिक्सन ने 17वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। हालांकि, दूसरे हाफ में 77वें मिनट में एरिक जानजा ने गोल दाग स्लोवेनिया की वापसी कराई।

गत विजेता इटली ने अल्बानिया को 2-1 से पराजित किया

गत विजेता इटली मैदान पर उतरते ही कुछ समझ पाता कि 23वें सेकंड में उसके खिलाफ गोल हो गया। अल्बानिया के नेदिम बजरामी की ओर से किए गए इस गोल ने नए कोच लूसियानो स्पैलेटी की टीम को हिला दिया। यह यूरोपियन चैंपियनशिप के 64 वर्षों के इतिहास का सबसे तेज गोल था। हालांकि इटली जल्द ही संभल गया और 16वें मिनट तक उसने दो गोल दागते हुए 2-1 की बढ़त बना ली और इसी अंतर से बाद में उसने अल्बानिया पर जीत हासिल कर ली।

बारेला, बास्तोनी ने इटली के लिए दागे गोल

फेडरिको डिमार्को की थ्रो अलसांद्रो बास्तोनी के पास नहीं पहुंची। बजरामी ने इसे कब्जे में लेते हुए गोल भेद कर वेस्टफालेनस्टेडिऑन में मौजूद अल्बानियाई समर्थकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद इटली ने आक्रमणों की झड़ी लगा दी।

टी20 विश्व कप

सुपर 8 में पहुंचकर बोले बांग्लादेश के कप्तान शांतो, इस विभाग में सुधार की जरूरत

किंग्सटाउन (सेंट विंसेंट), एजेंसी। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने अपनी टीम को टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 चरण में पहुंचाने के बाद अपनी खुशी जाहिर की। अपनी प्रगति के बावजूद शांतो ने बल्ले से टीम के संघर्ष को स्वीकार किया, खासकर अर्नोस वेल ग्राउंड पर नेपाल पर 21 रन की मामूली जीत में। सोमवार को बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे कम स्कोर (106 रन) का बचाव करते हुए नेपाल को 19.2 ओवर में 85 रन पर आउट कर दिया। इस उल्लेखनीय रक्षात्मक प्रयास ने टीम की गेंदबाजी क्षमता को उजागर किया, लेकिन साथ ही उनकी बल्लेबाजी की कमजोरियों को भी रेखांकित किया क्योंकि शांतो, लिटन दास और तंजीद हसन तमीम शीर्ष क्रम में संघर्ष करते रहे।

शांतो ने मैच के बाद कहा, हमने इस दौर में जिस तरह से खेला उससे मैं बहुत खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि हम अपनी बल्लेबाजी नहीं, बल्कि गेंदबाजी का प्रदर्शन जारी रख पाएंगे। उम्मीद है कि अगले दौर में हमारी बल्लेबाजी का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। हम ज्यादा रन नहीं बना पा रहे हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अगर हम शुरुआती विकेट ले सकें तो हम कुल स्कोर का बचाव कर सकते हैं। यही हमने गेंदबाजों से कहा है, और वे फील्डिंग में भी बहुत अच्छे हैं। तंजीम ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया उन्होंने 4-0-7-4 का असाधारण स्पेल दिया, जिसमें 21 डॉट बॉल शामिल हैं। मुस्तफिजुर रहमान ने भी अहम भूमिका निभाई, उन्होंने नेपाल के रन-चेज को पटरी से उतारने के लिए अंतिम ओवर में एक विकेट-मेडन दिया। शांतो ने कहा, हमारे पास सब कुछ है।

पिछले दो या तीन सालों में सभी तेज गेंदबाजों ने वास्तव में कड़ी मेहनत की है। इस प्रारूप में गेंदबाजी इकाई बहुत महत्वपूर्ण है और मुझे उम्मीद है कि वे अपना फॉर्म जारी रखेंगे। टी20आई में गति हमेशा महत्वपूर्ण होती है। हमें अगले दौर के लिए योजना बनानी होगी और अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करना होगा। नीदरलैंड और नेपाल के खिलाफ लगातार जीत के बाद बांग्लादेश ने अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहते हुए ग्रुप चरण का समापन किया।

एशियाई टीम स्क्वैश में भारतीय महिला टीम पांचवें और पुरुष टीम छठे स्थान पर रही

डालियन, एजेंसी। भारतीय महिला टीम रविवार को समाप्त हुई एशियाई टीम स्क्वैश चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रही जबकि पुरुष टीम को छठा स्थान मिला। महिला टीम ने पांचवें और छठे स्थान के लिए स्थान निर्धारण मैच में ईरान को 2-0 से हराया। रथिका सुथनथिरा सीलन और पूजा आरती रघु ने आसान जीत हासिल की। हालाँकि, पुरुष टीम दक्षिण कोरिया से 1-2 से हार गई, जिसमें वेलावन सेंथिलकुमार ने जीत दर्ज की, जबकि सूरज कुमार चंद और ओम सेमवाल मामूली अंतर से हार गए।

भारतीय परिणाम

पुरुषः भारत दक्षिण कोरिया से 1-2 से हार गया (वेलावन सेंथिलकुमार ने जियोंगमिन रियू को 11-5, 11-1, 11-4 से हराया; सूरज कुमार चंद मिनवू ली से 11-7, 11-13, 9-11, 8-11 से) और ओम सेमवाल जूयॉन्ग ना से 9-11, 6-11, 9-11) से हार गए।

महिलाएं: भारत ने ईरान को 2-0 से हराया (रथिका सुथनथिरा सीलन ने फेरेश्तेह एघटेदारी को 11-5, 11-9, 11-7 से और पूजा आरती रघु ने परमिन नेकोपयंतक को 11-5, 11-7, 12-10 से हराया)।

स्मृति मंधाना 7000 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की ओपनर स्मृति मंधाना दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को पहले वनडे के दौरान 7000 अंतर्राष्ट्रीय रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गयी हैं। मंधाना ने पूर्व कप्तान मिताली राज के बाद यह उपलब्धि हासिल की है। मिताली ने अपने शानदार करियर में सभी फॉर्मेट में 10,868 रन बनाये थे। मंधाना के बाद सबसे करीबी मौजूदा भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं जिन्होंने अब तक 6,870 रन जुटा लिए हैं। भारतीय ओपनर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में 127 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 117 रन बनाये जो घरेलू जमीन पर उनका पहला और कुल छठा शतक है। इस बीच दीप्ति शर्मा ने अपनी 37 रन की पारी के दौरान 200 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 2000 वनडे रन पूरे कर लिए हैं।

गुलशन को हरलीन के साथ काम करना है पसंद

गुलशन देवैया अपनी आगामी वेब सीरीज 'बैड कॉप' के प्रमोशन में जुटे हुए हैं इस सीरीज में वह अनुराग कश्यप और हरलीन सेठी के साथ नजर आएंगे। अभिनेता ने हरलीन सेठी के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। गुलशन देवैया ने कहा कि इससे पहले उन्होंने हरलीन को 'कोहरा' में देखा था, हालांकि उनकी मुलाकात काफी कम हुई थी। अभिनेता ने बताया कि उनकी अच्छी दोस्ती थी, वह उन्हें काफी पसंद करते हैं और प्यार भी। गुलशन देवैया ने कहा, सीन के दौरान हम एक दूसरे की काफी मदद करते थे। गुलशन ने कहा कि वह फिर से हरलीन के साथ काम करना चाहते हैं। 'बैड कॉप' 21 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

जान्हवी की तरह

खुशी भी नहीं करती हैं अपने फिटनेस से कोई समझौता

खुशी कपूर जान्हवी कपूर की छोटी बहन हैं और द आर्चिज फिल्म से वे बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो खुशी कपूर आने वाले दिनों में इब्राहिम अली खान एक साथ एक और फिल्म में नजर आने वाली हैं। खुशी कपूर भी अपनी बहन जान्हवी की तरह अपने फिटनेस को लेकर कोई समझौता नहीं करती हैं। खुशी और जान्हवी दोनों को अक्सर जिम के बाहर स्पॉट किया जाता है।

कार्तिक ने बताई चंदू चैंपियन को करियर की सबसे बड़ी

फिल्मकार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन सिनेमाघरों में लगी हुई है। फिल्म की रिलीज से पहले प्रमोशन के दौरान कार्तिक आर्यन दर्शकों के बीच गए। इस दौरान उन्होंने इसे अपने करियर की सबसे चैलेंजिंग फिल्म बताया। हालांकि, फिल्म जब रिलीज हो चुकी है तो इसे क्रिटिक्स से सकारात्मक रिव्यू मिले हैं, उनके अभिनय की भी तारीफ हो रही है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म औसत प्रदर्शन ही कर रही है। फिल्म की सफलता उसके बॉक्स ऑफिस से ही मापी जाती है। बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक का नजरिया क्या है, हाल ही में उन्होंने बताया।

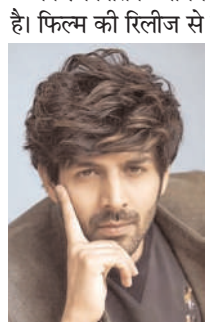

फिल्म की सफलता उसके बॉक्स ऑफिस नंबरों पर निर्भर करती है। ऐसे में चंदू चैंपियन के बॉक्स ऑफिस को लेकर क्या कार्तिक वाकई चिंतित हैं?

संक्षिप्त समाचार

आग लगने की घटनाओं पर एमसीडी सख्त, नियमों की अनदेखी करने पर सील होंगी इमारतें

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विभिन्न जगहों पर बाजारों, औद्योगिक क्षेत्रों में बीते एक से दो माह के दौरान कई आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए व्यावसायिक इमारतों में भवन निर्माण के नियमों का अनुपालन करने की जांच शुरू हो गई है। इस संबंध में दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने कई जगहों पर स्थित व्यावसायिक इमारतों में इन नियमों के तहत निरीक्षण किया है। इसमें निगम कर्मचारियों को पता चला है कि कुछ इमारतों में नियमों की अनदेखी की जा रही है। इसके मद्देनजर फायर एनओसी को प्राप्त नहीं किया गया है। इन इमारतों पर अब सील होने की कार्रवाई होगी। ऐसी सौ से अधिक इमारतों को अब तक निगम ने फायर एनओसी लेने के लिए नोटिस भी भेजा है। अग्निशमन उपकरणों को कई जगहों पर इमारतों में लगाने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि कई जगहों पर बिजली के तारों के पास भी इमारतों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन हो रहा है। उन इमारतों पर तुरंत अग्निशमन उपकरणों को लगाने के लिए कहा गया है। साथ ही भवन निर्माण की अनदेखी करने का भी पता चला है। ऐसे उल्लंघनकर्ताओं पर कार्रवाई करते हुए इमारतों को सील करेंगे। वहीं दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों में पढ़ने वाले 89 फीसदी छात्रों के बैंक खाते खोल दिए गए हैं। इस संबंध में निगम प्रशासन ने जानकारी साझा की है। बैंक खाते खुलने के बाद विभिन्न मदों में छात्रों को प्रदान होने वाली डीबीटी (सीधे लाभ स्थानांतरण) राशि प्राप्त होगी। अब छात्रों के खातों में इस राशि को भेजने का कार्य शुरू किया जाएगा। छात्रों के बैंक खातों को खुलवाने के लिए विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे।

दिल्ली में ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत, कई फ्लाईओवर और अंडरपास की योजना

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी में लोगों को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के कमर कस ली है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने ऐसे दस जगहों को चिन्हित किया है, जहां ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर बनी हुई है। पीडब्ल्यूडी इन जगहों पर फ्लाईओवर या अंडरपास बनाने की योजना पर काम कर रही है, जिससे कि लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से छुटकारा मिल सके। पीडब्ल्यूडी इसके लिए परिवहन विभाग और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस से भी सलाह ले रही है। इनसे सलाह लेने के बाद विभाग इस दिशा में काम शुरू करेगा। दिल्ली में ट्रैफिक जाम की सबसे ज्यादा समस्या जहां देखी गई है उनमें चिराग दिल्ली, पंचशील फ्लाईओवर, एयरपोर्ट रोड, पुसा रोड, शंकर रोड, केएस कृष्णा मार्ग और देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, बुद्ध विहार जंक्शन, रिंग रोड पर हनुमान मंदिर से सिग्नेचर ब्रिज तक, जखीरा क्रॉसिंग से कर्मपुरा तक, मुकबरा चौक से पीरागढ़ी और ज्वाला हेरी मार्केट से ज्वालापुरी रेड लाइट का इलाका शामिल है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन जगहों के लेकर पहले भी कई बार चर्चा की गई और कई योजनाएं भी बनीं, लेकिन इन पर काम नहीं हो सका। बताया कि इन परियोजनाओं को पूरा करने में 4000 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। अधिकारी ने बताया कि हमने परिवहन विभाग और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस से आग्रह किया है कि वे बताएं कि किन जगहों पर ट्रैफिक का कितना दबाव रहता है। इसके अलावा ट्रैफिक जाम लगने के और कौन-कौन से कारण हैं।

दिल्ली में जल्द शुरू हो सकता है नमो भारत ट्रेन का ट्रायल रन

स्टेशन बनकर तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों के लिए गुड न्यूज है। दिल्ली में नमो भारत रैपिड रेल का ट्रायल रन जल्द शुरू हो सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली सेक्शन में नमो भारत रेल का पहला ट्रायल रन साल के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में वायडक्ट का सिविल निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और स्टेशन परिसर में काम चल रहा है। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के दिल्ली सेक्शन का उद्घाटन 2025 के मध्य तक होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि सराय काले खां, न्यू अशोक नगर और आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशनों सहित दिल्ली में 14 किलोमीटर लंबे सेक्शन का काम तेजी से चल रहा है। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने कहा, दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर के दिल्ली सेक्शन में आरआरटीएस वायडक्ट का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इस साल के अंत तक दिल्ली में ट्रायल रन शुरू होने की संभावना है। दिल्ली में आरआरटीएस स्टेशन - सराय काले खां, न्यू अशोक नगर और आनंद विहार (भूमिगत) - पहले ही आकार ले चुके हैं और फिनिशिंग का काम चल रहा है।

बता दें कि, सिग्नलिंग और दूरसंचार (टेलिकम्युनिकेशन) का काम पूरा होने और सेवा चालू होने के लिए तैयार होने पर ट्रायल रन किए जाते हैं। ट्रायल रन पूरा होने के बाद एनसीआरटीसी, मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) से सेफ्टी सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करेगा, जो सर्टिफिकेट जारी करने से पहले कई निरीक्षण करता है। अधिकारियों ने कहा कि सीएमआरएस से सेफ्टी सर्टिफिकेट मिलने के बाद सरकार द्वारा तय की गई तारीख और समय के अनुसार आरआरटीएस का उद्घाटन किया जा सकता है। दिल्ली में नमो भारत के 14 किलोमीटर लंबे सेक्शन में 9 किलोमीटर का एलिवेटेड स्ट्रेच और 5 किलोमीटर का अंडरग्राउंड स्ट्रेच शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि एलिवेटेड हिस्से के लिए वायडक्ट का काम सराय काले खां स्टेशन तक पूरा हो चुका है, जहां ट्रैक बिछाने और ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन (ओएचई) लगाने का काम चल रहा है।

सराय काले खां स्टेशन - पहली तीन आरआरटीएस लाइनों के लिए इंटरचेंज पॉइंट है, जो निर्माण के अंतिम चरण में है, जहां छत और फिनिशिंग का काम चल रहा है। एनसीआरटीसी के एक अधिकारी ने बताया, इस स्टेशन को बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और मेट्रो स्टेशन सहित अन्य परिवहन साधनों के साथ सहज एकीकरण के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यात्रियों को स्टेशन से बाहर निकले बिना इन ट्रांसपोर्ट के साधनों को बदलने की सुविधा मिलती है। इसमें चार ट्रैक और छह प्लैटफॉर्म हैं, जिनमें से दो फ्लोटिंग प्लैटफॉर्म हैं, जो तीनों आरआरटीएस लाइनों के लिए एक ही स्तर पर हैं। सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन को एक प्रवेश/निकास द्वार और एक समर्पित फुटब्रिज के माध्यम से वीर हकीकत राय आईएसबीटी से और एक फुटओवर ब्रिज (एफओबी) ट्रैवेलेटर के माध्यम से हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से जोड़ा जाएगा। इसके अतिरिक्त, स्टेशन दिल्ली मेट्रो पिंक लाइन, एक सिटी बस स्टॉप से ??भी जुड़ा हुआ है और रिंग रोड पर एक निकास द्वार है।

न्यू अशोक नगर स्टेशन न्यू अशोक नगर और नोएडा के निवासियों को मेरठ की ओर कनेक्टिविटी प्रदान करते हुए सेवा प्रदान करेगा। अधिकारियों ने कहा कि इस स्टेशन पर ट्रैक बिछाने का काम पूरा हो चुका है और छत को अंतिम रूप दिया जा रहा है। स्टेशन का निर्माण मौजूदा अशोक नगर मेट्रो स्टेशन के पास किया जा रहा है, जिसमें एक एफओबी सीधे मेट्रो स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल को आरआरटीएस स्टेशन से जोड़ेगा। आनंद विहार भूमिगत स्टेशन पर निर्माण गतिविधियां भी तेज़ी से आगे बढ़ रही हैं। यह स्टेशन दिल्ली मेट्रो, अंतरराज्यीय बस सेवाओं और स्वामी विवेकानंद (आनंद विहार) अंतरराज्यीय बस स्टैंड, सिटी बस स्टैंड, कौशांबी में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम बस स्टैंड, दो मेट्रो कॉरिडोर (पिंक और ब्लू लाइन) और आनंद विहार रेलवे स्टेशन सहित अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के साथ मल्टी-मॉडल एकीकरण प्रदान करेगा।

जल बोर्ड ऑफिस में तोड़फोड़ के पीछे रमेश बिधूड़ी का हाथ?

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पानी का संकट गहराता जा रहा है। जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच रविवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने छत्तरपुर स्थित दिल्ली जल बोर्ड के ऑफिस में तोड़फोड़ कर दी। इस तोड़फोड़ में ऑफिस के शीशे टूट गए। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि इसके पीछे बीजेपी का हाथ है। जल मंत्री आतिशी ने इसके लिए बीजेपी के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष धीरज सिंह राजपूत हिंसक विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे और विरोध के दौरान भाजपा के झंडे दिखाई दे रहे थे।

दिल्ली पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जल बोर्ड ऑफिस के बाहर इकट्ठा हुए लोगों ने मटकों से शीशे तोड़े। मौके से घटना की सीसीटीवी फुटेज भी बरामद कर ली गई है। पुलिस ने कहा, हमें रविवार शाम को एजेंसी के एक अधिकारी से छतरपुर में दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय के अंदर तोड़फोड़ की घटना की शिकायत मिली है। हम इसकी जांच कर रहे हैं। क्राइम टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और एफआईआर दर्ज करने से पहले गवाहों के बयान लिए जाएंगे।

दिल्ली और पंजाब में करता था हथियारों की सप्लाई

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली और पंजाब में हथियार और ड्रग्स सप्लाई करने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 10 अवैध पिस्टल भी बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि वह दिल्ली और पंजाब के अपराधियों को हथियार सप्लाई करता था। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 42 साल के तरुण मेहरा के रूप में हुई है। वह उत्तम नगर में रहता है। उसे रिंग रोड पर आईपी पार्क के मेन गेट के पास से गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के डीसीपी प्रतिक्षा गोदरा ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक हथियार सप्लायर सफेद कार से रात साढ़े आठ से साढ़े नौ बजे के बीच आईपी पार्क के पास पहुंचेगा। उसके पास कई अवैध हथियार भी है, जिसे वह सप्लाई करने वाला है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक छापामार टीम तैयार कर मौके पर भेजी गई। जैसे ही वह सफेद कार से वहां पहुंचा।

गुरुग्राम-फरीदाबाद पर अगले कुछ दिन होंगे भारी, रिकॉर्ड तोड़ भीषण गर्मी और लू की चपेट में लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। एनसीआर में आने वाले हरियाणा के दो जिले गुरुग्राम और फरीदाबाद इन दिनों रिकॉर्ड तोड़ भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। चिलचिलाती गर्मी से लोगों को कहीं कोई राहत नहीं मिल रही है। दिनभर चलने वाली गर्म हवाओं से लोग बेहाल हैं। ऐसे में मौसम विभाग कहीं रेड तो कहीं येलो अलर्ट जारी कर रहा है।

मौसम विभाग ने गुरुग्राम में अगले तीन दिन तक लू और गर्मी को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि रविवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया था। शहर के पारे ने एक बार फिर से कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 1945 में शहर का तापमान 46.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था, इसके बाद अब पहली बार रविवार को शहर का तामपान 46.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा है। सुबह से लेकर रात में भी चल रही गर्म हवाएं लोगों को बेहाल कर रही है। सालों के बाद बढ़े इतने तापमान में घरों में लगे एसी, कूलरों ने काम करना बंद कर दिया है। हालात यह है कि सुबह से लेकर रात तक लोगों का पसीना नहीं सूख रहा है।

गुरुग्राम में नए बिजलीघर से 100 कॉलोनी और सेक्टरों में सुधरेगी सप्लाई: शहर का अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से 7.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया है। वहीं न्यूनतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से 5.5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। रात के समय में भी चल रही गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही है। बिना एसी, कूलर के लोगों को चैन नहीं मिल रहा है। अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक होने साथ ही न्यूनतम तापमान सामान्य तापमान से 4.5 डिग्री या उससे अधिक होता है तो गर्म रात मानी जाती है। अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री या उससे अधिक होने पर हीटवेव घोषित किया जाता है। अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस होता है। अधिकतम तापमान 45 डिग्री या उससे अधिक होने पर भी हीटवेव माना जाता है। अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री या उससे अधिक होने पर गंभीर हीटवेव घोषित की जाती है। वीकेंड के बाद भी शहर के बाजार और सड़कें दोपहर में बिल्कुल सुनसान नजर आए। जो लोग घरों से बाहर निकले थे वह भी कपड़े से अपने तन को ढके हुए नजर आए।

यूक्रेन में शांति के लिए रखी गई शर्त पर भारत सहमत नहीं, सम्मेलन में शामिल 12 देशों ने नहीं किए हस्ताक्षर

बर्गेनस्टॉक , एजेंसी। विश्व के 80 देशों ने युद्ध खत्म होने के लिए यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने की शर्त को मुख्य आधार बनाए जाने के बयान पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन भारत सहित 12 देशों ने इस शर्त से टकराव की स्थिति बनने की आशंका जताते हुए बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है।

भारत ने साफ किया है कि वह बातचीत के जरिये यूक्रेन में शांति स्थापित किए जाने का पक्षधर है। विवाद के समाधान स्विट्जरलैंड के लिए बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में रविवार को यूक्रेन पर आयोजित शांति सम्मेलन का अंतिम दिन था। यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस की अनुपस्थिति में 28 महीने से जारी युद्ध की समाप्ति का शांतिपूर्ण रास्ता खोजने की कोशिश हुई। इसमें अमेरिका सहित ज्यादातर पश्चिमी देशों और प्रमुख विकासशील देशों ने हिस्सा लिया। दो दिनों की चर्चा के बाद तैयार हुए अंतिम दस्तावेज में क्षेत्रीय अखंडता की शर्त के साथ ही परमाणु सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और बंदियों की अदलाबदली वाले बिंदु भी हैं। इस अंतिम दस्तावेज के कुछ बिंदुओं को अस्पष्ट बताते हुए भारत, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, यूएई सहित 12 देशों ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा ले रहे ब्राजील ने भी अंतिम दस्तावेज (संयुक्त बयान) पर हस्ताक्षर नहीं किया है, लेकिन कई मौकों पर रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा चुके तुर्किये ने हस्ताक्षर कर दिया है। भारत की ओर से सम्मेलन में अधिकारी स्तर का प्रतिनिधित्व था। संयुक्त बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। वहां पर युद्ध की समाप्ति के लिए जब भी शांति समझौता हो उसमें यह शर्त मुख्य आधार रहनी चाहिए। सम्मेलन की मेजबानी कर रहीं स्विट्जरलैंड की राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड ने कहा, संयुक्त बयान पर भारी बहुमत की सहमति जताती है कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए कूटनीति के रास्ते पर हमें अहम सफलता मिली है।

पाकिस्तान में डीएसपी और उसके बेटे ने पान की दुकान में डाला डाका, वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के शहर कराची में डकेती, लूटपाट व हत्याओं जैसे अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। यही नहीं बड़े पुलिस अफसर तक डकैती को अंजाम दे रहे हैं । कराची में पान की दुकान में डकैती के आरोप में पुलिस ने डीएसपी जफर जावेद और उनके बेटे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आरिफ असलम ने इसकी पुष्टि करते हुए मीडिया को बताया कि बुधवार देर रात गुलशन ए इकबाल इलाके में पान की दुकान में डकैती हुई थी। इस मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और उनके बेटे समेत तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

घटना के बाद दुकान मालिक शाहजेब की शिकायत पर गुलशन-ए-इकबाल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और वारदात में इस्तेमाल की गई पुलिस वैन भी जब्त कर ली गई है। घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है, जिसमें कम से कम तीन लोग दिखाई दे रहे हैं। इनमें से 2 ने अपने चेहरे नकाब से ढके हुए और पुलिस वैन से उतरकर पान की दुकान पर धावा बोल रहे हैं। उन्होंने दुकानदार को धमकाया और बाद में जबरन घुसकर सामान और नकदी छीन ली। स्स्कअसलम ने पुष्टि की कि डकैती में इस्तेमाल की गई पुलिस वैन डीएसपी जफर की है। उन्होंने कहा कि फुटेज में दिखाई देने वाले सभी संदिग्धों की पहचान की जा रही है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में डीएसपी के बेटे और उसके दोस्तों को अपराध में शामिल पाया गया है। पुलिस ने बताया कि अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं। बता देंकि पाकिस्तान की पोर्ट सिटी कराची में लगातार क्राइम रेट बढ़ रहा है। 2024 के पहले 5 महीनों में कम से कम 71 लोगों की लुटेरों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। अप्रैल में कराची के अपराध को लेकर एक रिपोर्ट आई जिसमें बताया गया कि एक महीने में कराची में 6,780 स्ट्रीट क्राइम हुए, इनमें 20 वाहन छीन लिए गए और 130 से अधिक चोरी हो गए।

मक्का और मदीना में भीषण गर्मी और लू का कहर, हीट स्ट्रोक से 19 हज यात्रियों की चली गई जान

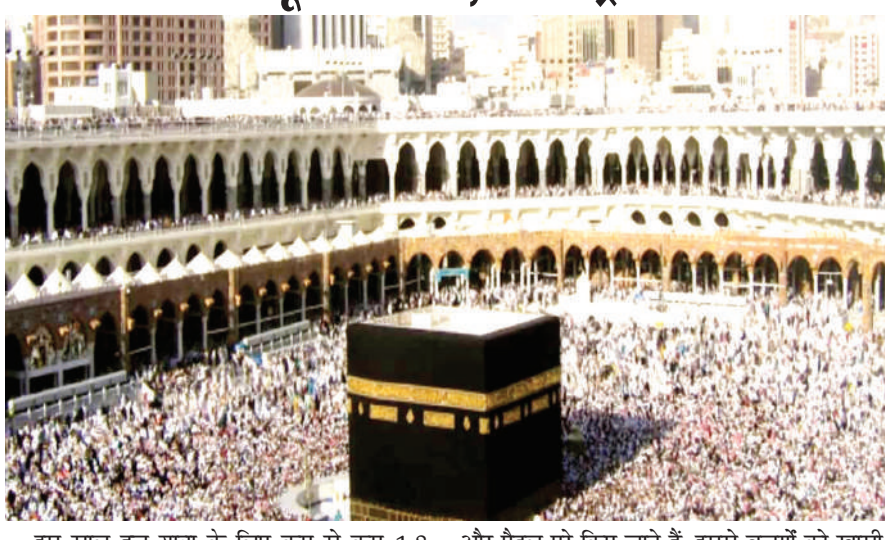

मक्का, एजेंसी। भीषण गर्मी का कहर सिर्फ भारत के उत्तर पश्चिमी हिस्से ही नही दुनिया के दूसरे देशों में भी इसका कहर देखने को मिल रहा है। हज की यात्रा पर सऊदी अरब आए 19 लोगों की हीट स्ट्रोक से मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि इस साल तापमान में भारी उछाल है और भीषण गर्मी का कहर जारी है। मरने वाले हज यात्री जॉर्डन और ईरान के बताए जा रहे हैं।

हर साल हज यात्रा के दौरान लाखों की संख्या में मुस्लिम सऊदी अरब आकर मक्का और मदीना का दौरा करते हैं। हज दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक सभाओं में से एक है। मुस्लिम समुदाय में ऐसा कहा जाता है कि मक्का और मदीना बेहद पवित्र स्थल हैं और सभी मुसलमानों को कम से कम एक बार हज की यात्रा जरूर करनी चाहिए। इस साल सऊदी अरब में हज यात्रियों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। दिन के वक्त तापमान 40 डिग्री से भी ऊपर चला जा रहा है।

इस साल हज यात्रा के लिए कम से कम 1.8 मिलियन मुस्लिम भाग ले रहे हैं। कई अनुष्ठान बाहर और पैदल पूरे किए जाते हैं, इससे बुजुर्गों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के कारण कम से कम 19 हज यात्रियों की मौत की सूचना है। सऊदी अरब ने हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी लेकिन, जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की हज यात्रा के दौरान मृत्यु हो गई और 17 अन्य लापता हो गए। हालांकि उनकी मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है।

उधर, ईरानी रेड क्रिसेंट के प्रमुख पिरहोसैन कूलिवंद ने कहा, इस साल हज के दौरान मक्का और मदीना में अब तक पांच ईरानी तीर्थयात्रियों की जान चली गई है। ईरान ने भी भी नहीं बताया कि उनकी मौत कैसे हुई। हालांकि यह पहली बार नहीं है। विभिन्न देशों द्वारा घोषित आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल हज के दौरान कम से कम 240 लोग की मौत हो गई थी, इनमें से अधिकांश इंडोनेशिया से थे। तब भी मौत के कारणों की जानकारी नहीं दी गई थी। सऊदी अरब के एक अधिकारी ने एएफपी को बताया कि पिछले साल देश में गर्मी के कारण 10000 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए थे।

चीन के वुहान शहर की व्यस्त सड़कों पर हो रहा चालक रहित टैक्सियों का परीक्षण

वुहान, एजेंसी। चीन के मध्य भाग में वुहान शहर की व्यस्त सड़कों पर चालक रहित कारों का दुनिया का सबसे बड़ा प्रयोग चल रहा है। वुहान में 11 मिलियन लोग रहते हैं, 4.5 मिलियन कारें हैं, आठ लेन एक्सप्रेसवे हैं और यांग्त्ज़ी नदी के कीचड़ भरे पानी पर ऊंचे पुल हैं। 500 टैक्सियों का बेड़ा कंप्यूटर द्वारा संचालित है, जिनमें अक्सर बैकअप के लिए कोई सुरक्षा चालक नहीं होता। इन्हें चलाने वाली कंपनी टेक दिग्गज बायडू ने पिछले महीने कहा था कि वह वुहान में 1,000 और तथाकथित रोबोट टैक्सियाँ जोड़ेगी। चालक रहित वाहनों का परीक्षण करने की अनुमति दी है और कम से कम 19 चीनी वाहन निर्माता और उनके आपूर्तिकर्ता इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कोई भी दूसरा देश इतनी आक्रामकता से आगे नहीं बढ़ रहा है। सरकार कंपनियों को महत्वपूर्ण मदद प्रदान कर रही है। रोबोट टैक्सियों के लिए ऑन-रोड परीक्षण क्षेत्रों को नामित करने वाले शहरों के अलावा सेंसर इस नई तकनीक के बारे में लोगों के डर को कम करने के लिए सुरक्षा घटनाओं और दुर्घटनाओं की ऑनलाइन चर्चा को सीमित कर रहे हैं। ऑटोमोटिव कंसल्टिंग फर्म जेडी पावर द्वारा किए गए सर्वेक्षणों में पाया गया कि चीनी ड्राइवर अमेरिकियों की तुलना में अपनी कारों को चलाने के लिए कंप्यूटर पर भरोसा करने के लिए अधिक इच्छुक

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।